नई दिल्ली
गुरुवार
28 अगस्त 2025
वर्ष: 11, अंक: 357
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

हर काल और हर युग में रही है उज्जैनह्यह्यह्य0...पेज-06

DELHIN/2014/58158

राहुल और तेजस्वी की वोटर अधिकार

एक नजर

गाजा में पत्रकारों की हत्या स्तब्धकारी और अत्यंत खेदजनक: भारत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने इजरायल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान गाजा पट्टी पर हमले में पत्रकारों की मौत की निंदा करते हुए इसे अफसोस जनक करार दिया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गाजा पट्टी के खान यूनिस में हमलों में पत्रकारों की मौत के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के जवाब में बुधवार को कहा कि भारत ने संघर्षों के दौरान आम नागरिकों के मारे जाने की हमेशा निंदा की है। उन्होंने कहा, पत्रकारों की हत्या स्तब्धकारी और अत्यंत खेदजनक है। भारत ने हमेशा संघर्ष में नागरिकों की जान जाने की निंदा की है। हम समझते हैं कि इज़रायली अधिकारियों ने पहले ही जाँच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को गाजा पट्टी पर इजरायली हमले में पांच पत्रकारों की मौत हुई है। इसे लेकर इजरायली सेनाओं की दुनिया भर में आलोचना हो रही है।

मोदी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय संबंधों और यूक्रेन संघर्ष पर बात की

नई दिल्ली,एजेंसी। फ़िनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर स्टब ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और दोनों नेताओं ने विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के साथ-साथ रूस यूक्रेन संघर्ष पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने रूस यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत का समर्थन दोहराया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि श्री मोदी के पास फ़िनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर स्टब की ओर से टेलीफोन आया था। राष्ट्रपति स्टब ने यूक्रेन में संघर्ष के समाधान पर वाशिंगटन में यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हुई बैठकों पर श्री मोदी के साथ अपना आकलन साझा किया। प्रधानमंत्री ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया। दोनों नेताओं ने भारत-फ़िनलैंड द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की भी समीक्षा की और क्वांटम प्रौद्योगिकी, 6जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और स्थिरता सहित उभरते क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। राष्ट्रपति ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र समापन के लिए फ़िनलैंड के समर्थन को दोहराया। उन्होंने 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए भी समर्थन की पुष्टि की।

हवाई यात्रियों की संख्या लगातार चौथे महीने घटी, 22 माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। पहलगाम हमले, पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनाव और एयर इंडिया विमान हादसे के कारण देश में हवाई यात्रियों की संख्या माह-दर-माह लगातार चौथे महीने घटकर जुलाई में 126.05 लाख रह गयी, जो सितंबर 2023 के बाद सबसे कम है। खास बात यह है कि कोरोना काल के बाद साल-दर-साल आधार पर पहली बार हवाई यात्रियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गयी है। नागर विमानन महानिदेशालय के बुधवार को घरेलू विमान सेवा कंपनियों के जारी आंकड़े में बताया गया है कि इस साल जुलाई में 126.05 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की। यह जुलाई 2024 के 129.87 लाख की तुलना में 2.94 प्रतिशत कम है।

जम्मू में वैष्णोदेवी मंदिर के पास भूस्खलन में 30 तीर्थयात्रियों की मौत: उमर अब्दुल्ला

जम्मू/श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू क्षेत्र के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में करीब 30 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है। बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए जम्मू पहुंचे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यह जानकारी दी। श्री अब्दुल्ला ने जम्मू में संवाददाताओं से कहा, लगभग 29 से 30 लोगों की मौत हो गई है..।

रियासी में वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग पर मंगलवार दोपहर लगभग तीन बजे 12 किलोमीटर लंबे त्रिकुटा पर्वतीय मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास यह भीषण भूस्खलन हुआ। अधिकारियों ने बताया कि हिमकोटि मार्ग को एहतियात के तौर पर सुबह ही बंद कर दिया गया था, जबकि पुराना मार्ग सुरक्षा कारणों से बंद होने से पहले दोपहर 1:30 बजे तक खुला रहा। अधिकारियों ने बताया कि मलबे से 30 शव बरामद किए गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान अभी भी जारी है। सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और पुलिस की टीमें मलबा हटाने और फंसे हुए तीर्थयात्रियों को निकालने में लगी हुयी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू क्षेत्र के कई जिलों, खासकर निचले इलाकों में, लगातार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण भारी नुकसान हुआ है। श्री अब्दुल्ला ने कहा, कुछ जिलों में स्थिति बहुत खराब रही है, खासकर जम्मू, उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ और चिनाब बेल्ट के निचले इलाकों में। उन्होंने कहा कि ऊपरी राजौरी के कुछ हिस्से ज़्यादातर अप्रभावित रहे, लेकिन अन्य जगहों पर बहुत अधिक नुकसान हो गया है। मुख्यमंत्री ने त्रासदी में हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मौसम की पूर्व चेतावनी के बावजूद सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए। उन्होंने जम्मू में संवाददाताओं से कहा, हमें इस बारे में बाद में बात करनी होगी। लेकिन अभी के लिए, मुझे खेद है कि लगभग 29-30 लोगों ने अपनी अनमोल जानें गँवा दीं। पिछले 24 घंटों में जम्मू में 380 मिमी बारिश दर्ज की गई। सन 1910 में वेधशाला की स्थापना के बाद से, जम्मू में 24 घंटे की अवधि में दर्ज की गई यह अब तक की सबसे अधिक वर्षा है। इससे पहले 25 सितंबर 1988 को 270.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। इसने 23 अगस्त 1996 को दर्ज 218.4 मिमी वर्षा का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। जम्मू- कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि राज्य के निचले बाढ़ग्रस्त इलाकों से 5,000 से ज़्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। श्री सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और उन इलाकों में बिजली, पानी की आपूर्ति और संचार व्यवस्था तुरंत बहाल करने के निर्देश दिए जहां बाढ़ का पानी कम होने लगा है। उन्होंने कहा कि सेना, राष्ट्रीय एनडीआरएफ और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), संभागीय आयुक्त कार्यालय के साथ मिलकर राहत सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। उधर राजधानी श्रीनगर के राम मुंशी बाग में झेलम नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। कश्मीर प्रशासन ने इसे देखते हुए बुधवार को बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी।

वायु सेना का पंजाब और जम्मू में त्वरित बाढ़ राहत अभियान

नई दिल्ली,एजेंसी। वायु सेना ने जम्मू और उत्तरी पंजाब में लगातार बारिश के कारण बढ़ते जल स्तर तथा विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए व्यापक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर अनेक लोगों को बचाने के साथ ही रोजमर्रा की जरुरी वस्तुएं तथा खाद्य सामग्री पहुंचाई है। वायु सेना ने स्थानीय प्रशासन की मदद की गुहार पर बचाव और राहत अभियान के लिए तुरंत अपने हेलीकॉप्टर बेड़े को सक्रिय कर दिया । इसके तहत उत्तरी क्षेत्र में निकटवर्ती ठिकानों से पाँच एमआई-17 हेलीकॉप्टर और एक चिनूक हेलीकॉप्टर को तुरंत सेवा में लगाया गया, जिससे अधिकतम बचाव क्षमता और परिचालन पहुँच सुनिश्चित हुई। बचाव कार्यों के लिए अतिरिक्त हेलीकॉप्टर को तैयार रखा गया हैं। इसके अलावा राहत और बचाव सामग्री से लदा भारतीय वायुसेना का सी-130 परिवहन विमान राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की एक टीम के साथ, क्षेत्र में चल रहे बचाव कार्यों के लिए आवश्यक आपूर्ति और प्रशिक्षित कर्मियों को उपलब्ध कराने के लिए जम्मू पहुँच गया है।

संघ पड़ोसी देशों में शुरू करेगा संपर्क अभियान: मोहन भागवत

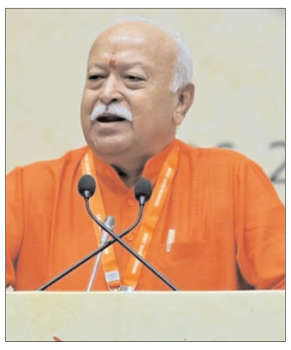

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश में हर घर, हर वर्ग, हर सम्प्रदाय के साथ सम्पर्क करने का एक बड़ा अभियान शीघ्र चलायेगा और वह इसके साथ पड़ोसी देशों में भी सम्पर्क कार्यक्रम चलाने का विचार कर रहा है। संघ की योजना इस अभियान को विश्वस्तर पर ले जाने की है। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने संगठन के शताब्दी वर्ष समारोहों के अंतर्गत राजधानी में - '100 वर्ष की संघ यात्रा , नये क्षितिज' शीर्षक से तीन दिवसीय व्याख्यान माला में बुधवार को अपने दूसरे व्याखान में संगठन की आगे की यात्रा का खाका प्रस्तुत करते हुए ये बातें कहीं। पहले दिन उन्होंने संघ की स्थापना और सौ साल की यात्रा का एक विहंगम खाका प्रस्तुत किया था और कहा था कि संघ को जितना विरोध झेलना पड़ा उतना विरोध किसी अन्य सामाजिक संगठन को नहीं में सहना पड़ा है।उन्होंने कहा, अब संघ का विरोध कम हो गयी है, विरोध का धार भोथरी हो गयी है । संघ की बात को आज सुना जाता है। उन्होंने कहा कि हमें सर्वत्र संपर्क बढ़ाना होगा, सबसे पहले पड़ोसी देशों पर ध्यान देना है। हमरी, नदियां, जगल, पहाड़ वही हैं केवल कागज पर विभाजन की रेखा है। हमरा लक्ष्य उनको जोड़ना, वहां शांति और विकास की कामना करना होना चाहिए। उनके भले ही पंथ संप्रदाय अलग भले हों, उनके उनके संस्कार अच्छे होने चाहिए।

उन्होंने कहा, इसके लिए हमें व्यक्त से व्यक्ति का सम्पर्क और हृदय से हृदय की बात' स्थापित किये जाने पर बल दिया। उन्होंने इस विषय में कहा यह भी स्वयं सेवकों के मन में चल रहा है। इससे विश्व का बड़ा भला होगा। पर इस सोच को मूर्तरूप देने की शुरुआत घर से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ विदेश के लोगों से सम्पर्क करता है, और संगठन के संपर्क में आने वालों को लगता है कि उनके देश में भी संघ जैसा संगठन होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैसे तो संगठन के सामने अगले 100 साल के लिए क्या रखना है, यह प्रतिनिधि सभा तय करेगी। पर उनकी सोच है कि हमें एक-एक गांवा, एक एक गली और एक एक घर तक पहुंचना है, जिसमें गरीब-अमीर और हर वर्ग और संपदाय के लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि संघ में लोग चाहते हैं कि संगठन हर वर्ग में अच्छा काम कर रहे अन्य संगठनों के साथ भी संपर्क बढ़ा कर एक नेटवर्क शीघ्रता से खड़ा किया जाना चाहिए। इस तरह सबके प्रयास पूरक होंगे ओर लोग समाज परिवर्तन के काम में मिल कर लग जायेंगे।

अनाम पार्टियों को मिले चंदे पर राहुल ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाने के कारण उनसे एफिडेविट की मांग से घिरे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आयोग को बुधवार कटघरे में खड़ा करते हुए सवाल किया है कि गुजरात अनाम पार्टियों ने हज़ारों करोड रुपए का चंदा जुटाया है तो क्या उनसे भी शपथ पत्र मांगा जाएगा। श्री गांधी ने कहा कि जिन पार्टियों को भारी रकम चंदे के रूप में मिली है उनको कोई जानता नहीं है और न ही उन्होंने ज्यादा चुनाव लड़े हैं। इन पार्टियों को जितना चंदा मिला है उसका कहीं कोई हिसाब किताब नहीं है। उन्होंने कहा कि इन दलों से भी चुनाव आयोग को शपथ पत्र मांगना चाहिए। उन्होंने कहा गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना-लेकिन 4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि इन अनाम पार्टियों के खातों में ये हजारों करोड़ रुपये आए कहां से, इन पार्टियों को चला कौन रहा है और चंदे का जो पैसा इन पार्टियों की खाते में गया वह पैसा कहां है। उन्होंने चुनाव आयोग से सवाल किया, क्या चुनाव आयोग जांच करेगा-या फिर यहां भी पहले एफिडेविट मांगेगा या फिर कानून ही बदल देगा, ताकि ये डेटा भी छिपाया जा सके।

भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2030 तक 300 अरब डॉलर होगी: डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि बायोई3 नीति के तहत पिछले एक साल में भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश की जैव अर्थव्यवस्था 2030 तक 300 अरब डॉलर की हो जाएगी।

उन्होंने बुधवार को यहां बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोज़गार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति के एक वर्ष पूरे होने पर जैव प्रौद्योगिकी को देश की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोज़गार का वाहक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर मोहाली स्थित देश के पहले राष्ट्रीय बायोफाउंड्री नेटवर्क का शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत की जैव अर्थव्यवस्था 2014 में सिर्फ 10 अरब डॉलर थी जो 2024 में 165.7 अरब डॉलर हो गई है और अब 2030 तक 300 अरब डॉलर लक्ष्य पाने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बायोई3 नीति के तहत पिछले एक साल में भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने तेज़ी से प्रगति की है और

कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं जो देश की जैव अर्थव्यवस्था को आकार दे रही हैं। डॉ. सिंह ने बायोई3 के एक वर्ष- नीति से कार्रवाई तक कार्यक्रम में कहा कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने अपने हितधारकों के साथ मिलकर नए संस्थानों की स्थापना कर संयुक्त शोध पहल शुरू की और बहुत कम समय में ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां भी की हैं। केंद्रीय मंत्री ने मोहाली में भारत के पहले जैव-विनिर्माण संस्थान के उद्घाटन, देश भर में जैव-कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्रों, जैव-विनिर्माण केंद्रों और जैव-फाउंड्री की स्थापना और कोशिका एवं जीन थेरेपी, जलवायु-अनुकूल कृषि, कार्बन कैप्चर और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों जैसे उन्नत क्षेत्रों को कवर करने वाले एक दर्जन से अधिक संयुक्त शोध कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डीबीटी को इन श्रेणियों के अंतर्गत पहले ही 2,000 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। डॉ. सिंह ने अंतरिक्ष जैव प्रौद्योगिकी और जैव विनिर्माण में सहयोग के लिए डीबीटी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन और प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की पहचान के लिए एक संयुक्त कार्य समूह की चर्चा भी की। श्री सिंह ने कहा कि डीबीटी ने केंद्र-राज्य साझेदारी शुरू की है, जिसमें असम के साथ एक समझौता ज्ञापन भी शामिल है, जिसके तहत राज्य के लिए एक कार्य योजना के साथ एक बायोई3 सेल स्थापित किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर, 52 देशों में भारत के मिशनों ने बायोई3 नीति पर जानकारी साझा की हैं, और डीबीटी और विदेश मंत्रालय इस दिशा में काम कर रहे हैं।

ओडिशा में महिला कर उपायुक्त रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में तैनात जीएसटी उपायुक्त सरिता बारिक को एक बेकरी मालिक से टैक्स मामलों से संबंधित जुर्माने और छूट के बदले 25 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सतर्कता निदेशालय के अनुसार, सर्किल चार में तैनात प्रथम श्रेणी की अधिकारी सुश्री बारिक को कल यहां के मधुसूदन नगर में अपनी कार के अंदर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उनके कब्जे से पूरी रकम बरामद कर ली गयी है। इस मामले में एक बेकरी चलाने वाले शिकायतकर्ता को नोटिस मिला था जिसमें वित्त वर्ष 2020-21 के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) संबंधित करीब सवा दो लाख रुपये के भुगतान के साथ-साथ जुर्माना और दंड भरने को कहा गया था। जब उन्होंने राहत की गुहार लगाई, तो सुश्री बारिक ने कथित तौर इस काम के लिए 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी। बेकरी मालिक ने सतर्कता अधिकारियों से संपर्क किया तो अधिकारियों ने जाल बिछा कर सुश्री बारीक को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद, सतर्कता टीमों ने बारिक से जुड़ी तीन जगहों की एक साथ तलाशी ली। भुवनेश्वर स्थित उनके किराए के घर से 1.45 लाख रुपये नकद, 222 ग्राम सोना, गहनों के बिल, भुवनेश्वर में संपत्ति खरीद से संबंधित दस्तावेज और बैंक में जमा लगभग 60 लाख रुपये की राशि का पता चला। सतर्कता अधिकारियों ने बताया कि भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आचार्य बालकृष्ण ने हरितालिका तीज में सहभागिता की

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने कहा है कि भारत और नेपाल के संबंध सदियों पुराने हैं और दोनों देशों के पर्व आपसी सम्बन्धों को मजबूत करते हैं। उन्होंने मंगलवार को दिल्ली में हाम्रो स्वाभीमान ट्रस्ट (पतंजलि) द्वारा आयोजित हरितालिका तीज में एक संबोधन में कहा कि दोनों देशों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से एक दूसरे से जुड़ने का मौका मिलता है। उन्होंने इसमें आयी सभी महिलाओं को हरितालिका तीज की बधाई दी। इस मौके पर पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण ने सभी माताओं और बहनों को हरितालिका तीज की हार्दिक शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह ऐसा पर्व है जो सनातन संस्कृति को जोड़ता है और इस तरह के कार्यक्रमों से पूरे देश को जोड़ने का प्रयास है। सनातन के प्रति गौरव महसूस करने का भाव पैदा करता है। ट्रस्ट का प्रयास है कि इस तरह के कार्यक्रमों को पूरे देश में गौरव मिले तथा इन्हें आगे भी प्रोत्साहित किया जायेगा। दिल्ली

सरकार के पर्यटन,कला एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अपनी तरफ से पूरा सहयोग देगी और आचार्य जी से आग्रह है कि आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रमों के लिये दिल्ली सरकार का सहयोग लें। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी भाग लिया और इसमें आयी हजारों महिलाओं को बधाई दी। उनके अलावा नेपाल के पूर्व सांसद दिव्य मणिराज भंडारी ,दिल्ली भाजपा विधायक संजय गोयल, लंदन से आये कुल आचार्य (एनआरएनए ग्लोबल नेपाल) ,नेपाल के मशहूर गायक प्रकाश सपूत एवं नेपाल के प्रसिद्ध पहलवान देवा थापा भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में नेपाल ,असम , सिक्किम , झारखण्ड , उत्तराखण्ड ,दिल्ली ,हिमाचल और अन्य राज्यों से पहुंची महिलाओं ने नेपाली गाने एवं नेपाल के मशहूर गायक प्रकाश सपूत के गाने पर जमकर मस्ती की। महिलाओं की भीड़ को देखते हुये नेपाली गायक के स्टेज की दिल्ली पुलिस को घेराबन्दी करनी पड़ी। इसके बावजूद तीन महिलाओं ने घेराबन्दी को तोड़कर प्रकाश के साथ स्टेज पर डांस करने की हर कोशिश की। कार्यक्रम के दौरान आचार्य बालकृष्ण ने श्री प्रवेश वर्मा को नेपाली टोपी पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। इस विशेष कार्यक्रम में बाबा रामदेव को भी पहुंचना था लेकिन किसी कारणवश इसमें पहुंच नहीं पाये लेकिन उन्होंने वीडियो संदेश के जरिये सभी महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने इसमें शामिल नहीं होने पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि अगली बार हरितालिका तीज का कार्यक्रम काफी बड़ा और विशेष होगा और वह इसमें सम्मिलित होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन दशकों से ट्रस्ट ही करा रहा है।

बीएसएफ ने बाढ़ प्रभावित सीमावर्ती गाँवों में समय पर कई लोगों को सुरक्षित निकाला

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित सीमावर्ती गाँवों में समय पर कई लोगों को सुरक्षित निकाला और कई नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि गुरदासपुर में, बीएसएफ बचाव दल ने मकोड़ा और चकमकोड़ा गाँवों में एक विशेष अभियान चलाया, जहाँ प्रशिक्षित बीएसएफ जल विंग कर्मियों ने फुलाए हुए नावों की मदद से 70 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला।फिरोजपुर के कालूवाला गाँव में एक और बचाव अभियान चलाया गया, जहाँ बीएसएफ कर्मियों ने 14 ग्रामीणों को बाढ़ग्रस्त सतलुज नदी पार कराई।फाजिल्का जिले के बाढ़ प्रभावित गांव महार जमशेर से एक बीमार बुजुर्ग व्यक्ति

को बीएसएफ के जवानों ने फाजिल्का के सिविल अस्पताल में सुरक्षित पहुँचाया।

नागरिक अधिकारियों और सीमावर्ती निवासियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में जारी बाढ़ की स्थिति के दौरान लोगों की जान बचाने और महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने में बीएसएफ के अथक प्रयासों की तहे दिल से सराहना की।

रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में महापौर के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, उपमहापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सुंदर सिंह, एमसीडी आयुक्त अश्वनी कुमार, अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र यादव, प्रमुख अभियंता (एमसीडी) तथा दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने जानकारी दी कि बैठक का मुख्य उद्देश्य राजधानी के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ढांचे की प्रगति की समीक्षा करना और भविष्य की रणनीति तय करना था। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम द्वारा लैंडफिल साइट्स पर 15,000 टन प्रतिदिन से 25,000 टन प्रतिदिन की बायोमाइनिंग क्षमता को सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वर्ष 2026 तक अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि मौजूदा लैंडफिल स्थलों पर ताजा कचरे का निस्तारण पूरी तरह रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि उनके कार्यालय की ओर से पावर ट्रांसमिशन लाइनों के स्थानांतरण से संबंधित मुद्दों को समय पर सुलझाने के लिए सक्रिय रूप से हस्तक्षेप किया जाएगा।

महापौर ने बताया कि बैठक में यह भी चर्चा हुई कि दिल्ली के प्रत्येक ज़ोन में उपयुक्त क्षेत्र और क्षमता वाले समर्पित कचरा प्रबंधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि मौजूदा डंप साइट्स पर बोझ कम किया जा सके। इसके साथ ही, वर्तमान में चल रहे दिल्ली को कूड़े से आज़ादी अभियान को 2 अक्टूबर 2025 तक बढ़ाया जाएगा, जिससे स्वच्छ शहर की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता और अधिक मजबूत होगी। एमसीडी को निर्देशित किया गया है कि वह एक व्यापक वित्तीय प्रस्ताव तैयार करे, जिसमें मौजूदा सफाई कर्मचारियों और माली आदि की आवश्यकताओं को शामिल किया जाए, ताकि जमीनी स्तर पर संचालन को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। यह भी चर्चा की गई कि शहरी भीड़भाड़ को कम करने के लिए लगभग 10 नए बहु-स्तरीय पार्किंग ढांचे विकसित किए जाएं, विशेष रूप से करोल बाग और कमला नगर जैसे उच्च भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में। इसके अतिरिक्त, डेयरी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दो नए बायोगैस संयंत्रों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा, जिसे भूमि की उपलब्धता के आधार पर उपयुक्त स्थलों पर लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक स्वच्छ, हरित और सतत दिल्ली की परिकल्पना को साकार करने के लिए एकीकृत प्रयासों, समयबद्ध कार्यान्वयन और नागरिक सहभागिता के महत्व पर बल दिया। दिल्ली सरकार अपने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रयासों के अंतर्गत विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और सक्रिय शासन के माध्यम से ठोस परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

'दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम 2025' विद्यार्थी के शिक्षा के अधिकार को सशक्त करेगा: आशीष सूद

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि 'दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025' शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। विद्यालयों में मनमाने शुल्क निर्धारण पर रोक लगाते लिए यह कानून अभिभावकों को राहत प्रदान करेगा और विद्यार्थी के शिक्षा के अधिकार को सशक्त करेगा। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने यह विचार बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ फैक्टरी में दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 पर आयोजित एक विशेष व्याख्यान सत्र में व्यक्त किए। शिक्षा मंत्री ने यहां छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने निजी स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस वृद्धि पर रोक लगाने के लिए दिल्ली निजी स्कूल फीस विनियमन विधेयक–2025 विधानसभा में पेश किया था जो अब स्वीकृति के बाद कानून का रूप ले चुका है। इसका उद्देश्य शिक्षा को केवल एक सेवा नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और समान अवसर का माध्यम बनाना है।

शिक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि यह अधिनियम शिक्षा के क्षेत्र में विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाएगा और अभिभावकों और विद्यार्थियों दोनों के हितों की रक्षा करेगा। उन्होंने दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट 1973 का उल्लेख करते हुए कहा की उस कानून में केवल 300 प्राइवेट स्कूल (जिन्होंने डीडीए से जमीन ली थी) को रेगुलेट करने का ही प्रावधान था। जिस कारण अन्य स्कूलों पर कोई कार्यवाही नहीं होती थी। उन्होंने यह भी बताया की दिल्ली में समय के साथ प्राइवेट स्कूलों की संख्या बढ़कर आज लगभग 1700 हो चुकी है, जिनमें 18 लाख बच्चे पढ़ते हैं। लेकिन फीस बढ़ाने के लिए 300 स्कूलों पर ही कार्यवाही होती है। लेकिन अब दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम 2025 के लागू होने की बाद अब सभी 1700 प्राइवेट स्कूलों पर सरकार का आदेश लागू होगा, केवल डीडीए लैंड क्लॉज वाले स्कूलों पर नहीं। नए कानून के अनुसार अब सभी निजी स्कूल इसके दायरे में आ गए है। शिक्षा मंत्री सूद ने बताया कि दिल्ली विधानसभा में 8 अगस्त को यह शिक्षा विधेयक पारित किया गया। इसके बाद उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की स्वीकृति के साथ दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम 2025 लागू हो गया। इसके लागू होते ही अब कोई भी स्कूल तय की गई फीस से ज्यादा धनराशि नहीं वसूल सकेगा। हर स्कूल में फीस समिति होगी। इन समितियों में प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक, महिलाएं और वंचित वर्ग के लोग शामिल होंगे। इसके अलावा जिले में शिकायत निवारण समिति होगी। इसमें फीस से जुड़ी शिकायतें और विवाद वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की अध्यक्षता में बनी समिति तुरंत सुलझाएगी।

युवती की हत्या का खुलासा: पैसों के विवाद में दर्जी सलीम ने दी वारदात को अंजाम

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के डाबड़ी इलाके में लापता युवती की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में दर्जी सलीम को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि पैसों के विवाद के चलते सलीम ने युवती रूपा का गला दबाकर कत्ल कर दिया और शव को सड़क किनारे फेंक दिया। सीसीटीवी फुटेज ने इस पूरे मामले की गुत्थी सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त की सुबह रूपा घर से निकली थी और उसके बाद वापस नहीं लौटी। स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता चला कि रूपा को आखिरी बार हरदोई निवासी सलीम के साथ एक इमारत में जाते देखा गया था। बाद में उसी फुटेज में सलीम को एक शव छिपाकर इमारत से बाहर निकलते भी देखा गया। जांच में खुलासा हुआ कि रूपा और सलीम एक-दूसरे को पहले से जानते थे और नियमित संपर्क में रहते थे। रूपा ने सलीम को कुछ रुपये उधार दिए थे, जिसे वह वापस मांग रही थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और गुस्से में आकर सलीम ने युवती का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद सलीम ने शव को मोटरसाइकिल पर ले जाकर नाले में फेंकने की कोशिश की, लेकिन शव बीच रास्ते में गिर पड़ा। इससे राहगीरों को शक हुआ और सलीम मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश में यूपी के हरदोई तक दबिश दी और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि क्या इस वारदात में कोई और भी शामिल था।

मुठभेड़ के बाद 'गला घोटू गैंग' के दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस ने मंगलवार देर रात केशवपुरम इलाके में मुठभेड़ के बाद 'गला घोटू गैंग' के दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान रज्जू उर्फ अजय उर्फ कंगारू (33) और रवि उर्फ गोटिया (30) के रूप में हुई है। दोनों आरोपित केशवपुरम के रहने वाले है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक देशी कट्टा, एक जिंदा व एक खाली कारतूस के अलावा 5,350 नकद और लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है।

उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि 24 अगस्त की देर रात करीब 12 बजे एक शख्स जब अपनी मोटरसाइकिल से रोहिणी से मालका गंज लौट रहा था तो प्रेमा बाड़ी पुल के पास शौच के लिए रुका। इसी दौरान दो बदमाशों ने पीछे से हमला कर उसे जमीन पर गिरा दिया और गला दबाकर लूटपाट की। आरोपितों ने पीड़ित से मोबाइल फोन, पर्स जिसमें करीब 15,000 नकद व आधार, पैन, एटीएम कार्ड, सोने की अंगूठी और बाइक के कागज छीन लिए और मौके से फरार हो गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए केशवपुरम थाने में में शिकायतकर्ता के बयान पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। डीसीपी के अनुसार 25 अगस्त की शाम पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वारदात में शामिल दोनों आरोपित सी-5 ब्लॉक के पास होटल और बैंकेट हॉल के पीछे देखे गए हैं। सूचना को पुख्ता कर एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जब दोनों संदिग्धों को घेरने की कोशिश की तो आरोपित रज्जू ने अचानक पुलिस पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में हेड कॉन्स्टेबल मोहित बाल-बाल बचे। इधर जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली रज्जू के पैर में जा लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने तुरंत उसे दबोच लिया गया, जबकि उसका साथी रवि भी वहीं से पकड़ा गया।

एटीएम कार्ड बदलकर 90 हजार उड़ाने वाला ठग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिले के हरि नगर थाना पुलिस ने एक ठग को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर उनके खातों से रकम उड़ा देता था। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी निवासी कृष्ण उर्फ ऋषि (24) के रूप में हुई है। आरोपित के पास से 90 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस उसके साथी की तलाश कर रही है। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर के अनुसार शिकायतकर्ता ने बताया कि 01 अगस्त को वह हरि नगर डीबी ब्लॉक स्थित एक एटीएम से पैसा निकाल रहा था। इस दौरान दो युवक पीछे से आए और मदद का बहाना करने लगे। ट्रांजैक्शन असफल रहा और अगले दिन शिकायतकर्ता के खाते से 90 हजार रुपये की निकासी हो गई। जांच में पता चला कि आरोपितों ने उसका एटीएम कार्ड मिलते-जुलते कार्ड से बदल दिया था। मामले की शिकायत पर ई-एफआईआर दर्ज की गई। हरि नगर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपितों की पहचान कृष्ण उर्फ ऋषि और उसके रिश्तेदार अमरनाथ के रूप में की। इस बीच पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधर पर कृष्ण को दबोच लिया और उसके कब्जे से रुपये बरामद किए। फिलहाल पुलिस आरोपित के साथी की तलाश कर रही है।

चोरी के मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सदर बाजार थाना पुलिस ने चोरी के मामले में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ हजार रुपये और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अनस कुरैशी (25) और अदनान कुरैशी (22) के रूप में हुई है। दोनों भाई उसी इमारत की पांचवीं मंजिल पर रहते थे, जिसमें पीड़ित परिवार तीसरी मंजिल पर रहता है। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांथिया ने बताया कि शिकायतकर्ता मोहम्मद इमरान ने 24 अगस्त को पुलिस को सूचना दी थी कि उनकी तीसरी मंजिल पर स्थित फ्लैट से रात में दो मोबाइल फोन और रुपये चोरी हुए है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने जांच में पाया कि इमारत का ग्राउंड फ्लोर रात में बंद रहता है, ऐसे में किसी बाहरी शख्स का तीसरी मंजिल तक पहुंच पाना मुश्किल था। पुलिस ने शक की सुई उसी बिल्डिंग के निवासियों की ओर घुमाई। स्थानीय जानकारी और गुप्त सूत्रों से पता चला कि पांचवीं मंजिल पर रहने वाले दोनों भाई पहले भी छोटे-मोटे अपराधों में शामिल रहे हैं। पुलिस ने शक के आधार पर दोनों भाई के कमरे की तलाशी ली। तलाशी में उनके पास से चोरी का माल बरामद हो गया। गिरफ्तारी के बाद दोनों भाइयों ने कबूल किया कि वे अनाथ हैं और स्कूल छोड़ चुके हैं। नशे और शराब की लत पूरी करने के लिए वे चोरी-चकारी करते थे। वारदात वाली रात उन्होंने देखा कि तीसरी मंजिल के फ्लैट का दरवाजा खुला है और मौका पाकर उन्होंने नकदी व मोबाइल चोरी कर लिया।

चांदनी चौक में सीलिंग विवाद: राहत की मांग लेकर महापौर से मिले व्यापारी

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। चांदनी चौक में एमसीडी की सीलिंग कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है। इसी को लेकर दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन (डीएचएमए) का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह से मिला और दुकानों को सीलिंग से राहत दिलाने की मांग रखी। डीएचएमए अध्यक्ष मुकेश सचदेवा और महासचिव श्रीभगवान बंसल ने महापौर को बताया कि जिन दुकानों को सील किया गया है या जिन्हें नोटिस भेजा गया है, वे दशकों से निजी व्यावसायिक संपत्तियों में संचालित हो रही हैं। साथ ही चांदनी चौक स्पेशल जोन में आता है, जहां सीलिंग पर रोक लागू है। इसके बावजूद एमसीडी की इस कार्रवाई से दुकानदारों में भारी आक्रोश और चिंता का माहौल है। व्यापारियों ने विशेष रूप से कटरा नील का मुद्दा उठाया, जहां हाल ही में चार दुकानों को सील किया जा चुका है और अब तक कुल 42 दुकानों को नोटिस मिल चुका है। विरोधस्वरूप इस माह के मध्य में कटरा नील बाजार दो दिनों तक बंद भी रहा था। बैठक के बाद श्रीभगवान बंसल ने बताया कि महापौर ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों व व्यापारियों के बीच बैठक कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया। महापौर ने यह भी कहा कि वह जल्द ही स्वयं बाजार का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लेंगे।

दिल्ली पुलिस ने किया हाई-टेक कार चोर गिरोह का पर्दाफाश, 100 किमी पीछा कर मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की केंद्रीय जिला एएटीएस और रंजीत नगर थाने की संयुक्त टीम ने एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के एक सक्रिय सदस्य, अमनदीप सिंह को दिल्ली से लेकर हरियाणा के मुरथल तक लगभग 100 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए चोरी की फॉर्च्यूनर कार से पुलिसकर्मियों को कुचलने का भी प्रयास किया। पुलिस को 11 अगस्त की रात गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर उन्होंने पंजाब जा रहे अमनदीप का पीछा शुरू किया। मुरथल टोल पर जब पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की, तो उसने पुलिस टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया और फिर गाड़ी छोड़कर खेतों में छिप गया। कई घंटों की तलाशी के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की एक फॉर्च्यूनर, दो क्रेटा और एक किआ सेल्टोस समेत कुल चार लग्जरी गाड़ियां बरामद की हैं। अमनदीप सिंह पंजाब के अमृतसर का रहने वाला एक कुख्यात चोर है और उस पर पहले से ही 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी से पुलिस ने हत्या के प्रयास और वाहन चोरी के कुल 5 मामले सुलझाने का दावा किया है। इस गिरोह का काम करने का तरीका बेहद हाई-टेक और अनूठा था, जिसने पुलिस को भी हैरान कर दिया। सुरक्षा सिस्टम को हैक करना: चोर सबसे पहले लग्जरी कारों के सुरक्षा सिस्टम को निष्क्रिय करते थे। दुबई भेजना सिक्योरिटी कोड: वे कार की पिछली विंडशील्ड पर लगे होलोग्राम की तस्वीर खींचते थे, जिसमें सिक्योरिटी कोड होता था। इस तस्वीर को दुबई में बैठे एक तकनीकी विशेषज्ञ को भेजा जाता था। नया कोड प्राप्त करना: दुबई में बैठा विशेषज्ञ कार के सिस्टम को अनलॉक करके एक नया कोड वापस भेजता था।

भगोड़ा आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किए गए आरोपित हरीश (32) को गिरफ्तार किया है। आरोपित सुल्तानपुरी का रहने वाला है। वह कई मामलों में फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपित हरीश पर 2019 में मंगोलपुरी थाना क्षेत्र में बैग और मोबाइल फोन स्नैचिंग के मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी। कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह लगातार पेशी से गायब रहा और 12 नवंबर 2024 को रोहिणी कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया। इसके अलावा वह अशोक विहार और सुल्तानपुरी थानों के मामलों में भी वांछित था। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 25 अगस्त को क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि आरोपित हरीश रोहिणी कोर्ट सेक्टर-14 के पास किसी से मिलने के लिए आने वाला है। पुलिस ने सूचना को पुख्ता कर जाल बिछाया और मौके से हरीश को दबोच लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हरीश अब तक 10 संगीन वारदात में शामिल रहा है, जिनमें लूट, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के मामले हैं। आरोपित के खिलाफ मंगोलपुरी, अशोक विहार, सुल्तानपुरी, अमन विहार, राज पार्क और पश्चिम विहार ईस्ट सहित कई थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक हरीश गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है और केवल छठी कक्षा तक पढ़ा है। बाद में वह नशे का आदी हो गया और मजदूरी के साथ-साथ झपटमारी व लूट जैसी वारदातों को अंजाम देने लगा।

क्राइम ब्रांच ने नेपाली नागरिकों को ठगने वाले रैकेट का किया भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे बड़े वीजा फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया है, जो नेपाली नागरिकों को नौकरी दिलाने के नाम पर भारी-भरकम रकम ऐंठ रहा था। इस मामले में पुलिस ने गैंग के सरगना जयकाब (41) और उसके साथी रूपेश (42) को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 13 नेपाली पासपोर्ट और कई अहम डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं। पुलिस जांच में अब तक यह खुलासा हुआ है कि गैंग ने 19 नेपाली नागरिकों को सर्बिया में रोजगार दिलाने का लालच देकर लगभग 70 लाख रुपये की ठगी की।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि मामला तब उजागर हुआ जब नेपाल के रहने वाले सुजन खड्का (22) ने क्राइम ब्रांच को लिखित शिकायत दी। उसने आरोप लगाया कि अप्रैल 2024 में जयकाब नाम का शख्स उससे और उसके साथियों से मिला और खुद को ऐसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में पेश किया, जो सर्बिया में नौकरी दिला सकता है। जयकाब ने उन्हें नकली वीजा और जॉब ऑफर लेटर दिखाए और इसी भरोसे में 19 नेपाली युवाओं ने अपने मूल पासपोर्ट उसके हवाले कर दिए। मई 2024 में आरोपितों ने प्रति व्यक्ति 3,500 यूरो यानी करीब 70 लाख रुपये वसूले। यह रकम डिजिटल ट्रांजैक्शन और क्यूआर कोड के ज़रिए आरोपियों के सहयोगियों के खातों में जमा कराई गई। इसके बाद जुलाई 2025 में सभी पीड़ित नेपाल से दिल्ली आए, ताकि अपने पासपोर्ट पर वीज़ा लगवाकर आगे की उड़ान पकड़ सकें। लेकिन यहां आकर उनके साथ धोखा हो गया। आरोपित लगातार टालमटोल करता रहा, न पासपोर्ट लौटाए न वीज़ा दिए। जब पीड़ितों ने उससे पैसा और दस्तावेज़ वापस मांगे तो उसने न केवल इनकार किया, बल्कि जान से मारने की धमकी तक दी। बाद में जांच में पता चला कि सभी वीज़ा और ऑफर लेटर फर्जी थे। डीसीपी के अनुसार शिकायत दर्ज होने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने छापेमारी की और 25 अगस्त को जयकाब को ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 13 नेपाली पासपोर्ट और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसमें फर्जी वीज़ा और बातचीत से जुड़े कई अहम चैट मिले। पूछताछ में उसने अपने साथियों सचिन, जॉर्ज उर्फ विजोज और रूपेश का नाम बताया। आगे की कार्रवाई में पुलिस ने रूपेश को दबोच लिया, दिल्ली से गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और कई बैंकिंग ट्रांजैक्शन के सबूत मिले। पुलिस के अनुसार यह गैंग बेहद संगठित तरीके से काम करता था। सबसे पहले ये लोग नेपाल से ऐसे युवाओं को टारगेट करते थे जो विदेश नौकरी की चाह रखते थे। नेपाली भाषा में बातचीत कर उनका विश्वास जीतते थे। फिर नकली दस्तावेज़ और वीज़ा दिखाकर उनसे पैसे और पासपोर्ट ले लेते थे। पैसे की वसूली डिजिटल ट्रांजैक्शन और हवाला नेटवर्क दोनों के जरिए की जाती थी। जांच में सामने आया कि करीब 60 लाख रुपये नेपाल से भारत लाए गए, जिनमें से एक हिस्सा हवाला डीलरों के माध्यम से जयकाब तक पहुंचा और करीब 20 लाख रुपये उसकी पत्नी और दोस्तों के खातों में जमा किए गए। पुलिस का कहना है कि आरोपित जयकाब मूल रूप से बिजनौर उप्र का रहने वाला है। वह पहले ट्रैवल एजेंट का काम करता था। नेपाली भाषा जानने के कारण वह नेपाली युवाओं को आसानी से झांसे में ले लेता था। वहीं रूपेश मूल रूप से बिहार के सीवान का रहने वाला है और पिछले 15 साल से ट्रैवल एजेंसी से जुड़ा था। दोनों ने मिलकर नेपाल और भारत के कई युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगा। डीसीपी के अनुसार पुलिस टीम फिलहाल अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि आगे और गिरफ्तारियां संभव हैं। दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि विदेश में नौकरी दिलाने का दावा करने वाले किसी भी एजेंट से पहले पूरी तरह जांच-पड़ताल कर लें, ताकि ठगी से बचा जा सके।

एक नजर

ठगी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश कराने के नाम पर युवक से करीब पांच लाख रुपये ठगी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम के मुताबिक पकड़े गए आरोपित की पहचान ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर निवासी शुभम जैन (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन व सिमकार्ड बरामद किया है। शुभम ने अपने करीबी दोस्त के कहने पर एक फर्जी कंपनी बनाकर करंट अकाउंट खोला। इसी में ठगी की रकम को ट्रांसफर किया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि शुभम के खाते में दो माह के दौरान एक करोड़ 17 लाख रुपये की रकम का लेनदेन हुआ है। पुलिस शुभम के दोस्त व बाकी आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस उपायुक्त गौतम ने बताया कि ओल्ड अनारकली, शाहदरा निवासी कृष्णा कुमार ने साइबर थाने में 4.97 लाख रुपये ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि शेयर में निवेश के नाम पर उनको एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। शेयर बाजार के टिप्स देने के नाम पर उनसे छोटा-मोटा निवेश करवाया गया। बाद में उससे 4.97 लाख रुपये निवेश करवा लिया गया। पीड़ित ने जब अपना मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो वह इसमें कामयाब नहीं हो पाया। पीड़ित को ठगी का अहसास हो गया। उसने मामले की शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। जांच के दौरान उस खाते का पता किया गया जहां ठगी की रकम ट्रांसफर हुई थी। छानबीन में पता चला कि रकम राजनगर, गाजियाबाद के आईडीएफसी बैंक में किसी शुभम जैन के खाते में गई थी। शुभम ग्रेटर नोएडा में कहीं रहता है। जांच के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित ने बताया कि वह बीबीए पास है। उसने अपने एक दोस्त को कुछ रुपये उधार दिए हुए थे। दोस्त ने उसे रुपये वापस करने के लिए एक बैंक खाता खोलने के लिए कहा।

ठगी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने 31 लाख रुपये के ऑनलाइन निवेश घोटाले का पर्दाफाश कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप के जरिये बुजुर्गों को शेयर बाजार में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर ठगता था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार 62 वर्षीय पीड़ित जो एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्यरत हैं, से आरोपितों ने इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर संपर्क साधा। उन्हें एक फर्जी निवेश वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराया गया और फिर एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर स्टॉक टिप्स दिए जाने लगे। उसके बाद आईपीओ फंडिंग और अच्छा मुनाफे का लालच देकर उन्हें लगातार पैसे लगाने को कहा गया। पीड़ित ने कई बार ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से रकम भेजी। लेकिन जब उन्होंने पैसा वापस मांगा तो आरोपितों ने उन्हें धमकाकर और रकम डालने को मजबूर किया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। डीसीपी के अनुसार जांच के दौरान सामने आया कि मोहसिन के बैंक खाते में अकेले 5.44 लाख रुपये जमा हुए थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि मोहसिन ने अपना बैंक का करेंट अकाउंट कैफ और नय्यर अली के जरिये एक अन्य साथी को बेच दिया था। गिरोह हर रोज होने वाले लेन-देन पर 1 से 1.5 फीसदी तक कमीशन कमाता था।पकड़े गए आरोपितों की पहचान गाजियाबाद निवासी मोहसिन (37), रघुबीर नगर निवासी नय्यर अली (39) और गोविंदपुरी निवासी कैफ (22) के रूप में हुई है। डीसीपी के मुताबिक क्राइम ब्रांच गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और फर्जी वेबसाइट के मास्टरमाइंड का पता लगाने के लिए आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश कराने के नाम पर युवक से करीब पांच लाख रुपये ठगने के आरोप में बुधवार को ग्रेटर नोएडा निवासी शुभम जैन (32) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल व सिमकार्ड बरामद किया है। शुभम ने दोस्त के कहने पर फर्जी कंपनी बनाकर करंट अकाउंट खोला जिसमें ठगी की रकम को ट्रांसफर किया गया। खाते में दो माह में 1.17 करोड़ की रकम का लेनदेन हुआ है। पुलिस शुभम के दोस्त व बाकी आरोपियों की तलाश कर रही है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि ओल्ड अनारकली, शाहदरा निवासी कृष्णा कुमार ने साइबर थाने में 4.97 लाख रुपये ठगने की शिकायत दी थी। शेयर में निवेश के नाम पर उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। इसके बाद निवेश करवा लिया गया। पीड़ित ने जब मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो वह कामयाब नहीं हो पाया। कृष्णा ने ग्रुप एडमिन नेहा से बात की तो उसने 3.50 लाख रुपये और निवेश करने की बात की। इस पर उसे ठगी का अहसास हो गया। इसके बाद उसने मामले की शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। जांच में पता चला कि रकम राजनगर, गाजियाबाद के आईडीएफसी बैंक में शुभम जैन के खाते में गई है। शुभम को नोटिस देकर जांच में शामिल होने के लिए कहा गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने बताया कि वह बीबीए पास है। उसने एक दोस्त को कुछ रुपये उधार दिए थे।

दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के तहत निगम ने करोल बाग में साइक्लोथॉन का किया आयोजन

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के करोलबाग जोन में बुधवार को दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के तहत साइक्लोथॉन का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, युवा साइकिल प्रेमियों और समाजसेवियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के उपमहापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा और विधायक उमंग बजाज उपस्थित रहे। इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर उपमहापौर जय भगवान यादव ने कहा कि दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत मिशन पहल को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे न केवल अपने घरों में बल्कि आसपास के इलाकों में भी स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी लें। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान करते हुए एक पेड़ अपनी मां के नाम अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि नागरिकों की जागरूकता और भागीदारी निरंतर बनी रहे। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में निगम ने दिल्ली को साफ-सुथरा बनाने का कार्य शुरु किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन या एक माह का प्रयास नहीं है बल्कि यह निरंतर चलने वाली जीवनशैली है। नागरिक सहभागिता को अभियान की सफलता की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों की देखभाल करने तथा कूड़ा प्रबंधन के प्रति सजग रहने की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर प्रयास करें तो दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल शहर बनाया जा सकता है। विधायक उमंग बजाज ने कहा कि साइक्लोथॉन जैसे कार्यक्रम व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण की सेहत के लिए भी बेहद उपयोगी हैं। साइकिल चलाना प्रदूषण कम करने, फिटनेस बढ़ाने और ट्रैफिक भार घटाने का एक बेहतरीन उपाय है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे ऐसे आयोजनों में भाग लेकर एक साफ, हरित और स्वस्थ दिल्ली बनाने की दिशा में अपनी भूमिका निभाएं।

जब सभी के यहां छापे पड़ेंगे तो कोई ईमानदार क्यों रहेगा: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। आप नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के पहुंची प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने 20 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। देर रात ईडी की टीम जब बाहर निकली तो सौरभ भारद्वाज ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि चोरों के यहां भी छापेमारी की जाएगी और ईमानदारों के यहां भी, तो कोई क्यों ईमानदार रहेगा। दिल्ली में पार्टी के संयोजक भारद्वाज ने कहा, मेरा मन बहुत दुखी था। बेटी का चेहरा देख रहा था सोच रहा था कि बेटी स्कूल जाएगी तो बच्चे मजाक उड़ाएंगे। लेकिन जब से आप लोगों के नारे सुने मुझे लगा कि मेरी जिंदगी सफल हो गई। अब कोई दिक्कत नहीं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने ईडी के अधिकारियों से तीन बार कहा कि उन्हें गिरफ्तार करना है तो कर लिया जाए। उन्होंने कहा, मैं तो लिखवा के आया हूं दो साल अंदर रहूंगा। मैंने तीन बार उन्हें ऑफर दिया। तुम्हारे कहने से काम नहीं करूंगा, अरविंद केजरीवाल के चेले हैं। उन्होंने ईडी के खिलाफ कुछ बड़े खुलासे करने की बात कही। सौरभ भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कहा कि ईडी सब पर चोर का स्टैंप लगा रही है। उन्होंने कहा, जब सुबह छापा पड़ा तो मैंने ईडी वालों से कहा कि यार एक बात बताओ यदि तुम चोरों के यहां भी छापा मारोगे और ईमादारों के यहां भी छापा मारोगे तो कोई ईमानदार क्यों रहेगा। फिर तो हर आदमी कहेगा कि हम भी लूट लें। जब तुमको सबको चोर का ही स्टैंप लगाना है। तुम तो देश से ईमानदारी खत्म कर रहे हो। तुम तो किसी आदमी को किसी नेता को ईमानदार रहने का कोई क्रेडिट नहीं दे रहे।

मच्छरों से होने वाली बीमारियों के खिलाफ एमसीडी चला रहा सघन अभियान: सत्या शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बुधवार को मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के सभी जोनों में वार्ड स्तर पर विशेष अभियान और जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु एमसीडी का सघन अभियान चल रहा है। सत्या शर्मा ने बताया कि मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सभी जोन में व्यापक स्तर पर कार्रवाई कर रही है। निगम का जन स्वास्थ्य विभाग मलेरिया इंस्पेक्टर, डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर (डीबीसी) वर्कर, फील्ड स्टाफ और अधिकारियों के माध्यम से जमीनी स्तर पर अभियान को और तेज कर दिया है। उन्होंने बताया कि लगभग तीन हजार डीबीसी वर्कर और दो हजार फील्ड वर्कर मिशन मोड में सभी जोनों में मच्छर प्रजनन की जांच एवं नष्ट करने का कार्य कर रहे हैं। शर्मा ने बताया कि बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रत्येक वार्ड में 4 से 6 हैंड फॉगिंग मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं ताकि शीघ्र और प्रभावी छिड़काव हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यालय स्तर पर एक विशेष निरीक्षण टीम का गठन किया गया है। जो सभी जोनों में मच्छर रोधी उपायों की प्रगति की निगरानी और समीक्षा करेगी। स्थायी समिति की अध्यक्ष ने बताया कि सभी जोनों में नियमित रूप से एंटी-लार्वा उपाय किए जा रहे हैं। इस वर्ष अब तक 26759779 घरों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 137043 घरों में मच्छर प्रजनन पाया गया। उन्होंने बताया कि अब तक 879364 घरों में कीटनाशक का छिड़काव किया गया है और यह संख्या आगे और बढ़ेगी। शर्मा ने बताया कि एमसीडी ने दिल्ली नगर निगम अधिनियम के मलेरिया उपनियमों के तहत मच्छर प्रजनन रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई भी कर रहा हैं। अब तक 98976 कानूनी नोटिस जारी किए गए हैं और 18,795 मामलों में अभियोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि मच्छर प्रजनन की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एमसीडी प्रमुख हितधारकों जैसे दिल्ली जल बोर्ड, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), डीटीसी, रेलवे, बागवानी विभाग, डीएमआरसी, डीडीए, एएसआई, पुलिस, शिक्षा विभाग तथा दिल्ली स्थित अन्य सरकारी कार्यालयों के साथ समन्वय कर रहा है, ताकि उनकी इमारतों और परिसरों में मच्छरों का प्रजनन रोका जा सके।

ग्रेटर नोएडा दहेज हत्याकांड: ज्वलनशील पदार्थ मिलने, नए वीडियो सामने आने से मामले में नया मोड़ आया

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। निक्की भाटी संदिग्ध दहेज हत्या मामले में जांच के दौरान उसके कमरे से ज्वलनशील पदार्थ बरामद होने और नए वीडियो क्लिप सामने आने के बाद नया मोड़ आ गया है, जिसके बाद पुलिस 21 अगस्त की घटना के घटनाक्रम पर फिर से गौर कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जांच में शामिल अधिकारी ने बताया कि निक्की के कमरे से मिले ज्वलनशील पदार्थ को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस 21 अगस्त की घटना के सिलसिले में सार्वजनिक हुए कई छोटे वीडियो क्लिप को भी एकत्रित करके उनकी जांच कर रही है। नए जांच निष्कर्ष पूर्व में लगाए गए इन आरोपों से अलग प्रतीत होते हैं कि निक्की (26) को उसके पति विपिन भाटी और ससुराल वालों ने ज्वलनशील तरल पदार्थ से आग लगा दी थी।

पुलिस निक्की की बहन कंचन के बयान की भी दोबारा जांच करेगी, जिसने कथित घटना का वीडियो बनाया था, प्राथमिकी दर्ज कराई थी और मामले में हस्तक्षेप करने का दावा किया था। कंचन की शादी निक्की के देवर रोहित भाटी से हुई है। विपिन, रोहित, निक्की के ससुर सत्यवीर और सास दया को पिछले बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा में दहेज हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने कहा, ''शुरुआती पूछताछ के बाद नए वीडियो सामने आए हैं, जिनमें से एक वीडियो में सास झगड़े के दौरान निक्की और विपिन को अलग करती हुई दिखाई दे रही है और दूसरा वीडियो कथित तौर पर कंचन ने बनाया है जिसमें किसी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''ये क्या कर लिया''। अब कंचन के बयान की दोबारा जांच की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि अब तक दोनों परिवारों के कई लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का विश्लेषण कर रही है, जिसमें विपिन घटना से कुछ मिनट पहले अपने घर के बाहर खड़ा दिखाई दे रहा है। इसके अलावा, पुलिस ग्रेटर नोएडा के जारचा इलाके में पिछले साल अक्टूबर में विपिन के खिलाफ दर्ज हमले के एक अलग मामले की भी जांच कर रही है।

विपिन और उसके सहयोगी तुषार के खिलाफ पिछले साल अक्टूबर में पास के आनंदपुर गांव की 21 वर्षीय प्रीति नामक महिला पर हमला करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दोनों पर जबरन महिला का फोन छीनने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ग्रेटर नोएडा) सुधीर कुमार ने कहा कि मामले की जांच जारी है और उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। निक्की 21 अगस्त को सिरसा गांव में अपने घर में गंभीर रूप से झुलसी हुई अवस्था में पाई गई थी। दिल्ली में अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई थी। जिस निजी अस्पताल में निक्की को सबसे पहले भर्ती कराया गया था, वहां से प्राप्त एक नोट में उल्लेख किया गया था कि वह ''घर में गैस सिलेंडर फटने से गंभीर रूप से झुलस गई थी'' और विपिन का चचेरा भाई देवेंद्र उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर गया था। हालांकि, निक्की की बड़ी बहन कंचन ने प्राथमिकी में आरोप लगाया कि विपिन, उसकी मां दया, पिता सतवीर और भाई रोहित ने निक्की को पीटने के बाद जानबूझकर आग लगा दी। कंचन ने आरोप लगाया कि 2016 में उनकी शादी ''बिना दहेज'' के हुई थी लेकिन बाद में निक्की को कथित रूप से लगातार दहेज उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। कंचन ने दावा किया कि उसके परिवार ने भाटी परिवार को पहले ही एक स्कॉर्पियो एसयूवी, एक मोटरसाइकिल और आभूषण दे दिए थे, फिर भी उन पर 36 लाख रुपये और एक लग्जरी कार देने का दबाव बनाया जा रहा था।

हिमांशु भाऊ गैंग का कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात हिमांशु भाऊ गैंग के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान हरियाणा निवासी सुमित (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी के हर्ष इंदौरा ने बुधवार को बताया कि आरोपित सुमित मोहन गार्डन थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में भी वांछित था। इस हत्या की जिम्मेदारी कुख्यात हिमांशु भाऊ गैंग ने ली थी। डीसीपी के अनुसार, चार अगस्त को मोहन गार्डन इलाके में अज्ञात हमलावरों ने मोहित डागर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। गंभीर रूप से घायल मोहित को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद हमलावर लाल-काले रंग की बाइक पर फरार हो गए। जांच के दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ में सुमित का नाम सामने आया।

डीसीपी ने बताया कि 26 अगस्त को क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली कि सुमित नरेला-बवाना रोड पर किसी से मिलने आने वाला है और उसके पास अवैध हथियार भी हो सकते हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस ने इलाके में जाल बिछाया और सुमित को मौके पर दबोच लियाा। तलाशी में उसके पास से पिस्टल और कारतूस बरामद किए। पुलिस पूछताछ में आरोपित सुमित ने बताया कि उसने केवल आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। आर्थिक तंगी और पिता की डेढ़ साल पहले हुई मौत के बाद वह अपराध की राह पर चल पड़ा। इसी साल फरवरी में उसे आर्म्स एक्ट में हरियाणा पुलिस ने पकड़ा था। जहां जेल में उसकी मुलाकात हिमांशु भाऊ गैंग के बदमाशों से हुई। जेल से बाहर आने के बाद उसने गैंग के सदस्यों रमन उर्फ फौजी, करन और पोंगी से संपर्क बनाए रखा। दो अगस्त को गैंग के सदस्य गांव आए और सुमित व उसके साथी अमन को दिल्ली में हत्या के लिए बाइक की व्यवस्था करने को कहा। बाइक की खरीद अमन के आधार कार्ड से की गई और उसी का इस्तेमाल वारदात में हुआ।

मारपीट कर दो भाइयों को किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

दादरी। रेलवे रोड स्थित दौलतराम कॉलोनी में ड्यूटी पर जा रहे युवक के साथ मारपीट की गई। आवाज सुनकर पहुंचे दूसरे भाई के साथ भी मारपीट कर दी गई। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घायल के पिता ने तीन लोग नामजद व अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अभय देव नागर परिवार के साथ रहते हैं। 23 अगस्त की शाम के समय उनका बेटा अक्षय नागर अपनी ड्यूटी के लिए जा रहा था। शाम के समय गली में ही अमन बाइक पर तेज रफ्तार से आ रहा था। बाइक की रफ्तार के चलते गली में भरा गंदा पानी उसके ऊपर पहुंच गया। जिससे बाइक धीमी चलने के लिए कहा तो गाली गलौज शुरू कर दी। जब अक्षय नागर अपने घर की तरफ चल दिया तो रास्ते में सुनील व प्रिंस ने आकर मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान परमवीर नागर भी पहुंच गए। परमवीर नागर के साथ भी मारपीट करने लगे।

स्क्रैप व्यापारी महिला के साथ काबू, धर्मांतरण करवाने का आरोप

फरीदाबाद। नीलम बाटा रोड़ पर थाना कोतवाली पुलिस ने एक होटल में छापा मारकर 60 साल के बुजुर्ग और 30 साल की महिला को पकड़ा है। महिला के पति की शिकायत पर पुलिस ने ये कार्रवाई की है। पति का आरोप है कि शख्स उसकी पत्नी का धर्मांतरण कराना चाहता था। कोतवाली पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इसको लेकर नूंह हिंसा के आरोपी व गोरक्षा बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार पांचाल उर्फ बिट्टू बजरंगी ने भी वीडियो जारी किया है। कोतवाली थाना पुलिस को सरूरपुर मुजेसर गांव के रहने वाले सतेन्द्र सिंह ने पुलिस को शिकायत दी है। जिसमें उसने बताया है कि तीन साल पहले उनकी शादी हुई थी। वह डिलवरी बॉय का काम करता है। पिछले कुछ समय से उसकी पत्नी को चांद मोहम्मद नाम 60 साल के बुजुर्ग ने अपने जाल में उसको फंसाया हुआ था। 14 अगस्त को उसकी पत्नी घर से गायब हो गई। जिसको उसने काफी तलाश किया लेकिन उसका कही पता नही चला। 26 अगस्त की रात को उसको जानकारी मिली की उसकी पत्नी को चांद मोहम्मद होटल में लेकर आया है और उससे शादी करने वाला है। जिसके बाद उन्होंने थाना कोतवाली पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस ने उसके साथ मौके पर छापेमारी की और दोनों को होटल के कमरे से पकड़ लिया। सतेन्द्र का आरोप है कि चांद मोहम्मद की पहले ही तीन शादियां हो चुकी है। उसकी बीवी को बहलाकर वह चौथी शादी करना चाहता था। उसने बताया कि चांद मोहम्मद स्क्रैप का व्यापारी है। जीवन नगर में उसने एक गोदाम बनाया हुआ है। उसने पैसे का लालच देकर मेरी पत्नी को फंसाया था और शादी करके उसका धर्मांतरण कराना चाहता था। चांद मोहम्मद उसको कॉल पर जान से मारने की धमकी देता था। नूंह हिंसा के आरोपी व गोरक्षा बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार पांचाल उर्फ बिट्टू बजरंगी ने वीडियो जारी किया है। जिसमें उसने कहा है कि पीड़ित पति उसके पास मदद मांगने आया था जिसके बाद हमने कानून के तहत पुलिस की मदद से चांद मोहम्मद औक उसकी पत्नी को पकड़ा है।

डीयू छात्रसंघ चुनाव 2025: एसएफआई-एआईएसए गठबंधन का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव 2025 में वामपंथी छात्र संगठनों ने साझा मोर्चा बना लिया है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) ने बुधवार को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन की घोषणा की। गठबंधन के तहत एआईएसए अध्यक्ष और संयुक्त सचिव पद पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि एसएफआई उपाध्यक्ष और सचिव पद पर चुनाव लड़ेगी। पिछले वर्ष दोनों संगठनों ने साथ मिलकर लगभग 9,000 वोट हासिल किए थे और डीयू राजनीति में तीसरा मोर्चा प्रस्तुत किया था।

एसएफआई दिल्ली राज्य सचिव आइशी घोष ने कहा कि डीयू में धन और बाहुबल की राजनीति का मुकाबला एसएफआई और एआईएसए लगातार करती रही हैं। इस बार भी हम सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मुद्दे पर चुनाव मैदान में हैं। एआईएसए डीयू अध्यक्ष सैवी ने कहा, फोर-ईयर अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम (एफवाईयूपी) ने शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। लगातार फीस वृद्धि और हालिया मेट्रो किराया वृद्धि छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। गठबंधन सस्ती और सबको सुलभ शिक्षा के लिए संघर्ष करेगा।

सितम्बर को होगी डीयू महापंचायत

गठबंधन ने छात्रों से आह्वान किया है कि वे 2 सितम्बर को होने वाली डीयू महापंचायत में बड़ी संख्या में शामिल हों। इस महापंचायत में बेकार कौशल आधारित कोर्स की समाप्ति, आंतरिक मूल्यांकन योजना वापस लेने, फीस वृद्धि रोकने, छात्रों को रियायती मेट्रो पास जारी करने, सभी को हॉस्टल की सुविधा, हर कॉलेज में आंतरिक शिकायत समिति का गठन शामिल है। गठबंधन ने आरोप लगाया कि बीते दस वर्षों में डीयू आरएसएस-भाजपा की प्रयोगशाला बन गया है और लोकतांत्रिक वातावरण को कमजोर किया गया है। एसएफआई-एआईएसए का कहना है कि उनका गठबंधन निजीकरण और शिक्षा के भगवाकरण के खिलाफ निर्णायक संघर्ष है।

बुखार के सभी मरीजों की मलेरिया और डेंगू की जांच होगी

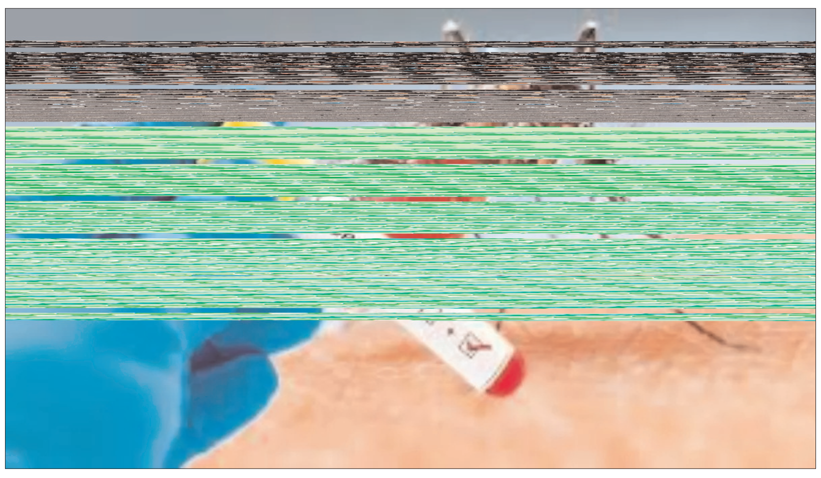

नोएडा। बुखार के सभी मरीजों की मलेरिया और डेंगू की जांच की जाएगी। मलेरिया विभाग ने सरकारी के साथ ही निजी नर्सिंग होम और अस्पतालों को ये निर्देश दिए हैं, ताकि बीमारी की जांच सही समय पर हो सके और तुरंत सही दिशा में इलाज शुरू किया जा सके। सरकारी और निजी अस्पतालों में रोजाना 300 से अधिक डेंगू के संदिग्ध मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं, जिनमें डेंगू और मलेरिया के लगभग सभी लक्षण हैं। वहीं, सामान्य बुखार के मरीजों की संख्या भी काफी बढ़ी है। मलेरिया विभाग ने निजी अस्पताल, जांच लैब को निर्देश दिया है कि एलाइजा किट से जांच की पुष्टि के बाद ही डेंगू मरीजों की जानकारी वेबसाइट पर अपडेट करें।

साथ ही, ऐसे मरीजों के खून के नमूने जिला अस्पताल में क्रॉस जांच के लिए भेजे जाएं। रैपिड किट से पुष्टि के बाद मरीज को संदिग्ध मरीज मानकर इलाज शुरू कर दिया जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि बुखार के मरीजों की मच्छरजनित बीमारियों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। खास कर जिनमें बीमारी के सभी लक्षण हों। डेंगू के लक्षण मिलने पर तीसरे और चौथे दिन के अंदर मरीज की जांच होनी चाहिए। वहीं, बुखार होने के पहले दिन ही मलेरिया की जांच कराई जानी चाहिए। इस व्यवस्था से मरीज के इलाज में सहूलियत मिलेगी। मरीज की स्थिति गंभीर होने पर परेशानी बढ़ जाती है। डेंगू के चार नए मरीज मिले मलेरिया विभाग ने डेंगू के चार नए मरीजों की पुष्टि की है। अब कुल मरीजों की संख्या 62 हो गई है। इन मरीजों की हालत स्थिर है। घर में ही मरीजों का इलाज चल रहा है। मलेरिया विभाग की टीम इनके घर और कार्यस्थल का निरीक्षण करेगी, ताकि मच्छरों के लार्वा की स्थिति की जानकारी हो सके। इन मरीजों की रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। विभाग की टीम मरीजों की निगरानी कर रही है।

मौजूदा दौर में भारत-चीन संबंधों की तार्किकता

ज्योति मल्होत्रा

नाश्ता दिल्ली में, दोपहर का भोजन लाहौर में और रात का खाना काबुल में, क्या कोई कर सकता है? दक्षिण एशिया के लोगों के बीच सीमाओं को मिटाने का पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिया बहुचर्चित नारा आज भी जीवंत और सटीक है -फर्क केवल इतना है कि इस पर अमल चीनी विदेश मंत्री वांग यी कर रहे हैं। गत हफ़्ते की शुरुआत में यही हुआ। जब भारत बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बने विवाद और विपक्षी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोटों की चोरी' के आरोपों में उलझा पड़ा था, उस बीच चीनी नेता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता के एक और दौर के लिए दिल्ली आए। वांग ने प्रधानमंत्री मोदी को इस महीने के अंत में चीन के तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया- जिसको प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया। इसके बाद वांग यी तालिबान से मिलने और अपने पाकिस्तानी एवं अफ़ग़ान समकक्षों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंचे। वहां से वे अपने 'आजमाया हुआ लौह बंधु' के साथ चीन की सामरिक साझेदारी का वचन दोहराने इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान पहुंचे। एक ही में दिन में तीन देशङ्कमानो मनमोहन सिंह की कही पर अमल कर रहे हों, फिर क्या हुआ अगर कुछ गंतव्य स्थल अलग रहे। वांग यी की यात्रा ने पाकिस्तान के गृह मंत्री को यह कहने का मौका दिया कि उनके देश के पास ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायु सेना द्वारा भारतीय विमानों को मार गिराए जाने के वीडियो फुटेज हैं। क्या यह पाकिस्तानियों का सरासर झूठ है? लाजिमी है भारतीयों को यही उम्मीद है। भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हमें बताया है कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने पांच पाकिस्तानी जेट विमानों को मार गिराया है। हालांकि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान पहले ही स्वीकार चुके हैं कि टकराव में भारत को भी कुछ हवाई सैन्य नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने जहाज। तीन महीने से भी ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी इस विषय पर चुप्पी है। वस्तु स्थिति जानना निश्चित रूप से अच्छा होगा।

चलिए, फिर से वांग यी की दक्षिण एशियाई कूटनीति पर लौटते हैं। काबुल में, उन्होंने तालिबान को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि अफ़गानिस्तान अगर पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बंद नहीं करता है, तो चीन निवेश नहीं करेगा। इस्लामाबाद पहुंचने पर, जहां उनके स्वागत को लाल कालीन बिछाया गया, उन्होंने 'आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान के अथक प्रयासों की सराहना की'। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, चीनी वायुसेना प्रमुख ने भारत के खिलाफ पाकिस्तानी वायुसेना की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए इसे आधुनिक युद्ध का 'आदर्श उदाहरण' बताया था। यहां कोई गलती न रहे, कि चीन-पाकिस्तान संबंधों के प्रगाढ़ होने के मद्देनज़र, भारत को अपनी समूची उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं को लेकर एक कठिन विदेश नीति चुनौती दरपेश है। इसके अलावा, पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती बढ़ती जा रही है - क्योंकि जहां भारत 50 प्रतिशत जितने उच्च अमेरिकी टैरिफ से जूझ रहा है, वहीं पाकिस्तान पर सिर्फ 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। भारत द्वारा यह मानने से इंकार कर देना कि ट्रंप यानी अमेरिका ने मई में भारत-पाकिस्तान संघर्ष में शांति स्थापना करवाने में भूमिका निभाई थी, साफ है कि ट्रंप की नाराज़गी इससे है। इसी वजह से वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत और भारतीय कंपनियों पर रूसी तेल की खरीद से 'मुनाफाखोरी' करने का आरोप जड़ा है। आसमान गहराता देख विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस गए, जहां रूस ने भारत को दिए जाने तेल की कीमतों में और कटौती का प्रस्ताव दिया है वहीं अच्छी खबर यह है कि भारत सरकार के दिल में पुनर्संतुलन की स्थिति बन रही है। एक लंबे अर्से तक, पिछले एक दशक से ज्यादा, भारत द्वारा अमेरिका की तरफ बनता झुकाव इसके अन्य गंभीर रिश्तों की कीमत पर रहा। ऐसा आरोप कोई नई बात नहीं है - भारत का कुलीन वर्ग लंबे समय से न्यूयॉर्क और वाशिंगटन डीसी के बेहतरीन रेस्तरां में खाने-पीने का लुत्फ लेता आया है और उसके बच्चे आइवी लीग विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं; मोदी के कार्यकाल में भी यह स्थिति शायद ही अलग रही हो।

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अन्य प्रमुख शक्तियों की अनदेखी के परिणामस्वरूप जो अंतर बना वह है आपसी ख्याल एवं सम्मान की अनुपस्थिति। अमेरिका में भारत की असाधारण रुचि ने अन्य देशों के साथ रिश्तों को अमेरिकी चश्मे से देखने वाला रवैया बनाया। किंतु प्रकाश की गति से चलने वाली दुनिया में, जहां सबसे ज्यादा गर्मजोशी भरे रिश्ते भी दिन ढलते-ढलते ठंडे पड़ जाते हैं, वह तरीका राष्ट्रीय हित के लिए प्रतिकूल बनता जा रहा था। यहां कोई गलती न रहे कि महत्वपूर्ण विदेश नीतिगत संबंधों में अमेरिका भारत के लिए अभी भी सबसे अहम बना हुआ है। लेकिन फिर गगन में अन्य सितारे भी तो हैं - एक तरह से देखा जाए तो ट्रम्प के हालिया बुरे व्यवहार से लंबे समय से नज़रअंदाज रखी जाने वाली बात समझ में आ ही गई है। ट्रम्प की डींगें कि उन्होंने दुनिया के कई संघर्षों को मध्यस्थ बनकर रुकवा दिया है, उनकी इस विराट आत्म-मुग्धता को मान्यता देने से इंकार करके मोदी ने निश्चित तौर पर भारत के दिल में अमेरिका के प्रति उठती हिलोरों पर विराम लगा दिया है। लेकिन यह बदलाव का सिर्फ़ एक पहलू है। दूसरा यह है कि भारत को अपने ज़ुबान पर नियंत्रण रखते हुए, अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी चीन के साथ कुशलता पूर्वक बरतना होगा। यही वजह है कि पिछले हफ़्ते की शुरुआत में चीनी विदेश मंत्री से बातचीत हुई और इसी महीने के अंत में प्रधानमंत्री चीन जाएंगे। मोदी को पता है कि हाथ में पत्ते कम होने के नाते, बतौर एक देश अपना समय निकालना होगा - क्योंकि पहिए का फिर से घूमना तय है। इस पुनर्स्थापना का एक दिलचस्प पहलू यह है कि भारत अमेरिका से भी संपर्क साधे रखेगा। अमेरिका इतना शक्तिशाली है कि उसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता और उससे दुश्मनी घातक है; निश्चित रूप से आप अमेरिकियों को अपनी तरफ रखना चाहेंगे, जैसा कि फ़ील्ड मार्शल असीम मुनीर बखूबी जानते हैं (पाकिस्तानियों को अमेरिका में एक शक्तिशाली पैरवीकार मिल गया है, जिसमें ट्रंप का एक पूर्व अंगरक्षक भी शामिल है, जिसने बाद में व्हाइट हाउस में भी काम किया है)। और जैसा कि यूरोपीय नेताओं के समूह को करते पाया जब वे यूक्रेनी राष्टपति का हौसला बढ़ाने के लिए ट्रंप की मेज पर पहुंचे- अमेरिकी राष्टपति की मनुहार उस सुबह एक कवायद थी। यही वजह है कि अगले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क जाने पर मोदी ट्रंप से मिलना चाह रहे हैं। और इस यात्रा से पहले भारत ने अमेरिकी कपास पर लगाया जाने वाला 11 प्रतिशत आयात शुल्क निलंबित कर दिया है-ताकि भारतीय कृषि बाजार को और अधिक खोलने से इनकार करने से पैदा हुआ अमेरिका का गुस्सा कुछ शांत हो सके।

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसेंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या-क्या कराएं। हम पर ये सब करना नहीं आता। इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नहीं किया जा रहा। अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है। मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सेंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है। हम 75 साल से ऊपर के पति-पत्नी कैसे उस लाइन में लगें, ये कोई सोचने और बताने वाला नहीं है। दूसरे केंद्र का दरवाजा खुलने पर इस तरह धक्का-मुक्की होती है कि हम लाइन में लगे तो हाथ-पांव तुड़ाकर जरूर अस्पताल जांएगे। केंद्र सरकार / रिजर्व बैंक को आदेश करना चाहिए कि बैंक अपने यहां अतिरिक्त स्टाफ रखे। उसके कार्य सिर्फ खाते धारकों से समय लेकर उनके खातों की केवाईसे कराना हो।

आम जीवन सरल बनाने में मदद कीजिए

अशोक मधुप

सरकारों का काम आदमी के जीवन को सरल बनाना है। तकनीक के माध्यम से उसे ऐसी सुविधांए देना है कि वह परेशान न हो, किंतु भारत में हो इसके विपरीत रहा है। उन्हें अलग-अलग काम के लिए थोड़ी- थोड़ी बात के लिए परेशान किया जा रहा है। उनके जीवन को दुरूह किया जा रहा है। आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की। बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है। हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नहीं मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नहीं आता। मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नहीं रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नहीं कर पाता। भुगतान रोकने के कारण चैक जारी करने वाले पर संबधित बैक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रूपये तक का जुर्माना लगा देती है। मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चैक दिया। चैक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है। चैक का भुगतान कैसे रूका पता नहीं। उनके एक स्टाफ ने देखकर बताया कि खाता बंद किया हुआ है। बैंक प्रबंधक ने कहा कि अब सब कंप्यूटराइज है। हमें पता नहीं चलता और खुद जाता है। बैंक स्टाफ के पता है या नहीं। इससे खाताधारक को क्या लेना। मेरे से तो इंश्योरेंस कंपनी ने चैक डिस ओनर होने के छह सौ रूपये अतिरिक्त वसूल लिए। मुझे तो फालतू का छह सौ रूपये का दंड़ पड़ गया। अभी लाकर आपरेट करने बैंक जाना पड़ा तो बैंक स्टाफ ने कहा कि इसकी केवाईसी कराइये। हमने कहा कि अभी खाते की तो कराई है। उनका कहना था कि बैंक लॉकर की भी करानी है। लाँकर बैंक के खाते से जुड़ा है, यह बताने पर भी बैंक कर्मी नहीं माने। यदि आपके पास चार-पांच बैंक खाते हैं तो प्रत्येक दो साल से केवाईसी कराने जरूर जाना होगा।

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसेंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या-क्या कराएं। हम पर ये सब करना नहीं आता। इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नहीं किया जा रहा। अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है। मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सेंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है। हम 75 साल से ऊपर के पति-पत्नी कैसे उस लाइन में लगें, ये कोई सोचने और बताने वाला नहीं है। दूसरे केंद्र का दरवाजा खुलने पर इस तरह धक्का-मुक्की होती है कि हम लाइन में लगे तो हाथ-पांव तुड़ाकर जरूर अस्पताल जांएगे। केद्र सरकार / रिजर्व बैंक को आदेश करना चाहिए कि बैंक अपने यहां अतिरिक्त स्टाफ रखे। उसके कार्य सिर्फ खाते धारकों से समय लेकर उनके खातों की केवाईसे कराना हो। सरकार जिस तरह वोट बनवाती है। वोटर का वेरिफिकेशन कराती है। उसी तरह से केवाईसी कराई जाए। इसके बैंक खाता धारकों को सुविधा होगी। केवाईसी कराने के लिए रखे जाने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा। यही काम राज्य की बिजली कंपनी कर सकती हैं। विभागीय मीटर रीडर माह में एक बार रीडिंग लेने उपभोक्ता के घर जाते हैं। वे ही उपभोक्ता से केवाईसी के पेपर लेले। मीटर रीडर को उपभोक्ता जानते हैं उन्हें पेपर देते किसी उपभोक्ता को परेशानी भी नहीं होगी। मीटर रीडर आफिस आकर इस कार्य में लगे स्टाफ को पेपर देकर केवाईसी कराए। हो यह रहा है कि संबधित विभाग बैंक/ बिजली अपना कार्य उपभोक्ता पर डाल उसके जीवन को कठिन बना रहे हैं, जबकि उन्हे अपने ग्राहकों को सुविधांए देनी चाहिए थीं। ऐसा ही आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए। हां इसके लिए उपभोक्ता से थोड़ा बहुत चार्ज लिया जा सकता है। अभी एक मैसेज आया कि आपका इन्कमटैक्स का रिटर्न स्वीकार कर लिया गया है। मैंने अभी रिटर्न भरा नहीं, सो ये मैसेज बेटे को भेज दिया कि शायद उसने रिटर्न भरा हो। उसका जबाब आया कि पापा इस मैसेज के लिंक पर क्लिक मत करना। ये गलत लगता है। आज सबसे बड़ी समस्या है कि सही और गलत का कैसे तय हो। किसी न किसी तरह धोखे में लेकर रोज हजारों व्यक्ति रोज ठगे जा रहे हैं। इससे कैसे बचा जाए? ऐसे हालात में जीवन दुरूह होता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों को आम आदमी का जीवन को सरल बनाने के लिए काम करना चाहिए।

विचार

मोदी सरकार की जनहित की शानदार पहल ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर सख्त कानून

दीपक कुमार त्यागी

देश में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मैट्रो रेल स्टेशन, एयरपोर्ट, हाइवे, सड़क, हवाई जहाज, रेल, मैट्रो रेल, बस आदि में पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं जैसी टैग लाइन के साथ भ्रमित करने वाले ऑनलाइन गेमिंग ऐप का प्रचार चर्चित चहरों के साथ बड़े पैमाने पर होता नज़र आता है। इन चर्चित चेहरों के प्रमोशन करने के चलते देश में करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही सट्टेबाजी, ठगी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर के अपने जीवन भर की कमाई गंवाकर मानसिक तनाव में आकर के अनमोल जीवन तक को समाप्त करने का कार्य कर रहे थे, लेकिन मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की नकेल कसने का कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि ऑनलाइन गेम की मुख्य रूप से दो कैटेगरी मानी जाती है, पहली कैटेगरी में ई-स्पोर्ट्स जिसमें गेम खेलने के लिए किसी भी प्रकार से पैसों का आदान-प्रदान नहीं किया जाता है व दूसरी कैटेगरी में रियल मनी गेम्स में पैसों का लेन-देन होता है, दूसरी कैटेगरी पर ही मोदी सरकार ने अंकुश लगाया है। देश में इंटरनेट की सुलभता से पहुंच होने के चलते ऑनलाइन गेमिंग ऐप का आलम यह हो गया था कि देश के दूरदराज के गांवों से लेकर कस्बों शहरों तक में भी यह लोगों को घर बैठे-बैठे हुए ही सट्टेबाजी करने के लिए प्रेरित करने लगा है, घर की चौपाल से लेकर के गली, मोहल्ले, नुक्कड़ हर तरफ ऑनलाइन गेमिंग ऐप की चर्चा सुनना अब आम बात हो गयी थी। लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की इस गंभीर चुनौती को समय रहते समझने का कार्य करते हुए, 19 अगस्त 2025 को देश के घर-घर में छोटे व बड़े-बूढ़े तक के बीच में भी अपनी पैठ बना चुके ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर नियंत्रण लगाने के लिए एक कानून ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025 को कैबिनेट में पारित करवाने का कार्य करते हुए, 20 अगस्त 2025 को चंद मिनटों में ही ध्वनि मत से देश दोनों सर्वोच्च सदनों से पास करवाया। हालांकि देश के कुछ लोगों को इस कानून से कोई भी फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन जिन लोगों के घर ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही पैसों की सट्टेबाजी के चलते बर्बादी के कगार पर आकर खड़े हो गये हैं, इस सख्त कानून से उन लोगों के बिखरते घर-बार व कारोबार बच जायेंगे। साथ ही जो परिवार इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के नाम पर चल रही सट्टेबाजी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर धन-दौलत यहां तक की परिजनों को भी खो चुकें हैं, उन परिजनों को भी संतोष मिलेगा की अब भविष्य में उनकी तरह किसी का घर-परिवार तबाह नहीं होगा। वैसे तो देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप का बहुत बड़ा कारोबार है, देश में इसके ग्राहक छोटे-छोटे बच्चों से लेकर के बड़े-बुजुर्ग तक भी हैं, जो इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले अपने मोबाइल फोन में इन ऑनलाइन गेमिंग के विभिन्न ऐप डाउनलोड करके ऑनलाइन गेम खेलते हुए इनकी भयंकर लत व मानसिक अवसाद के शिकार हो रहे हैं। वहीं इन गेम के प्लेटफार्मों पर खुल्लमखुल्ला पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं जैसी आकृषित करने वाली टैग लाइन के साथ सट्टेबाजी चल रही है, इन प्लेटफार्मों पर लोग कमाई के झांसें में आकर के जीवन भर की अपनी गाढ़ी कमाई को गंवाने का काम कर रहे थे। साथ ही देश में जिस तरह से साइबर फ्राड की घटनाएं ऑनलाइन गेमिंग ऐप के सहारे आये-दिन घटित हो रही हैं, वह चिंतित करने वाली स्थिति है। जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी सरकार की ऑनलाइन गेमिंग के इस कारोबार पर पैनी नज़र बनी हुई थी। उसी कड़ी में वर्षों पहले ही मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों की किसी भी प्रकार की ट्रांजेक्शन पर 1 अक्टूबर 2023 में 28 प्रतिशत और वर्ष 2024-2025 में जीती गयी धनराशि पर 30 प्रतिशत जीएसटी लागू कर दिया था, जिससे सरकार को लगभग 20 हज़ार करोड़ रुपए सालाना की भारी-भरकम धनराशि जीएसटी के रूप में मिल रही थी। ऑनलाइन गेमिंग के पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप भारत में शुरू हुए हैं, वहीं लगभग 25 हजार करोड़ निवेश हुए हैं। लेकिन मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने खुलासा किया था कि भारतीय हर वर्ष लगभग 1 लाख 20 हज़ार करोड़ रुपए भारी-भरकम धनराशि इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के चक्कर में खर्च कर रहे हैं, जो बेहद ही चौंकाने वाली व चिंताजनक स्थिति है। वहीं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया था कि ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में हर वर्ष 45 करोड़ भारतीय 20 हज़ार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। वहीं देश में साइबर सुरक्षा पर पैनी नज़र रखने वाली एजेंसियों ने भी इन ऑनलाइन गेमिंग के प्लेटफॉर्मों पर सख्ती कर रखी थी, इन एजेंसियों ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में साइबर फ्राड करने वाले हजारों ऐप को बैन तक करके लोगों को ठगी से बचाने का कार्य किया है, अकेले वर्ष 2022 में ही सरकार ने 1400 से ज्यादा वेबसाइट को ब्लॉक किया था।

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी 15 सितंबर को आएंगे पूर्णिया, एयरपोर्ट का करेंगे उद्घाटन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने 15 सितम्बर को एक बार फिर बिहार आएंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 सितम्बर को बिहार के पूर्णिया आयेंगे। वे पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही सीमांचल को करोड़ों की योजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा क्षेत्र के लिए विकास की नई दिशा तय करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर भाजपा पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी का यह सातवां बिहार दौरा है। इससे पहले 6 बार प्रधानमंत्री मोदी बिहार आ चुके हैं। भागलपुर, मधुबनी, सासाराम, सीवान, मोतिहारी और गयाजी के दौरे के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया आएंगे। इससे पहले अपने सभी दौरे पर उन्होंने बिहार को करोड़ों की सौगात देने का काम किया है। गयाजी में भी करीब 13 हजार करोड़ रूपये की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास उन्होंने किया। अब पूर्णिया को एयरपोर्ट की सौगात देने आ रहे हैं।

किराए के फ्लैट से युवक का सड़ा-गला शव बरामद, छानबीन में जुटी पुलिस

भागलपुर। जिले के जोगसर थाना क्षेत्र स्थित तपस्वी नर्सिंग होम के समीप एक किराए के फ्लैट से बुधवार को एक युवक का सड़ा-गला शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान आरा निवासी रोहित पांडे के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रोहित पांडे भागलपुर में शेयर का कारोबार करता था और कई सालों से अकेले फ्लैट में रह रहा था। बीते कई दिनों से उसका फोन नहीं लगने पर छोटा भाई वहां पहुंचा। दरवाजा अंदर से बंद होने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोड़कर बाथरूम से शव बरामद किया। बताया जा रहा है कि शव कई दिनों का होने के कारण पूरी तरह से सड़ चुका था। मृतक की मां बिहार पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर आरा में पदस्थापित हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

समान काम का समान वेतन की मांग को लेकर गृह रक्षकों का प्रदर्शन

भागलपुर। समान काम का समान वेतन की मांग को लेकर बुधवार को गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के जवान सड़कों पर उतर आए। जवानों ने कंबाइंड बिल्डिंग गेट से विरोध जुलूस निकालकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। जुलूस मनाली चौक, तिलकामांझी चौक, सैंडिस कंपाउंड होते हुए समाहरणालय गेट तक पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में शामिल जवानों ने हमारी मांगे पूरी करो, समान वेतन दो, सरकार होश में आओ आदि नारे लगाए। विरोध कर रहे जवानों ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी तब-तब आंदोलन जारी रहेगा। संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद ने कहा कि वे चुनाव ड्यूटी, वीआईपी सुरक्षा और आपदा प्रबंधन हर मोर्चे पर तैनात रहते हैं। फिर भी उन्हें न्यूनतम वेतन और सुविधा से वंचित रखा जाता है। उल्लेखनीय हो कि इससे पहले बिहार रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ के बैनर तले सैंडिस कंपाउंड मैदान में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद यादव ने की थी। इसमें निर्णय लिया गया कि 27 अगस्त को समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में जिला अध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद यादव ने कहा था हमारी मांग पूरी तरह जायज है। यदि सरकार अब भी चुप रही तो जवान मजबूर होकर उग्र आंदोलन करेंगे। वहीं विभाग प्रसाद झा सचिन ने कहा कि सरकार हर मौके पर होमगार्ड का इस्तेमाल करती है, लेकिन हक-हकूक देने में टालमटोल करती है। यह अन्याय अब और बर्दाश्त नहीं होगा।

बिहार के नालंदा में ग्रामीणों का मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक पर हमला

पटना। बिहार के नालंदा जिले में बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया पर गांव वालों ने अचानक हमला कर दिया। दोनों नेता हाल ही में गांव में हुई 9 लोगों की हुई मौत के बाद पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे थे। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया जैसे ही वे गांव में पहुंचे, नाराज ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया और नेताओं को दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए मंत्री और विधायक को लगभग एक किलोमीटर तक भागना पड़ा। इस हमले में उनके साथ मौजूद सुरक्षा कर्मी घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन ने समय पर कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे कई जानें चली गईं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जदयू के जिला प्रवक्ता धनंजय देव ने बताया कि मंत्री पर हमला नहीं हुआ है, बल्कि वहां के लोग विधायक की कार्यशैली से नाराज होकर हंगामा करने लगे। किसी असामाजिक तत्व ने उस दौरान ईंट चला दिया जिससे मंत्री के स्कॉर्ट में लगे सिपाही का सिर फट गया। घटना की सूचना मिलते ही वरीय अधिकारी पहुंच मामले की जांच में जुट चुके हैं। फिलहाल, इस मामले में कोई भी अधिकारी कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं।

राहुल और तेजस्वी की वोटर अधिकार यात्रा मुजफ्फरपुर पहुंची

पटना,एजेंसी। बिहार में मतदाता विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा बुधवार को दरभंगा से मुजफ्फरपुर पहुंची। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी यात्रा में शामिल हुए। मुजफ्फरपुर में जन संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया, जबकि स्टालिन ने बिहार की लोकतांत्रिक ताकत की सराहना की। वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत दरभंगा के गंगवारा महावीर स्थान से हुई और सुबह 10:30 बजे मुजफ्फरपुर जिले के गया घाट प्रखंड अन्तर्गत जारंग स्थित शाही दरबार के पास पहुंची। दोपहर 12 बजे मुजफ्फरपुर के जारंग हाई स्कूल में जन संवाद सभा में राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा में वोट की चोरी हुई है। लोकसभा चुनाव 2024 भी चोरी की गई है। हम सभी जगहों के सबूत दिखाएंगे। संविधान की किताब दिखाते हुए कहा कि एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है लेकिन चुनाव आयोग आज संविधान पर हमला कर रहा है। बिहार में 65 लाख लोगों के नाम काट दिए हैं। दलितों, पिछड़ों-अतिपिछड़ों और अल्पसंख्यकों का वोट कट रहा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि बिहार का नाम आते ही लालू यादव याद आते हैं। करुणानिधि और लालू यादव घनिष्ठ मित्र रहे। कितने ही मुकदमे और विपरीत परिस्थितियां आयी, लेकिन भाजपा से डरे बिना डटे रहने के कारण ही लालू प्रसाद यादव देश के बड़े नेताओं में से एक हैं। उनके पदचिह्नों पर पुत्र तेजस्वी यादव संघर्ष कर रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि पिछले एक महीने से पूरा भारत केवल बिहार को देख रहा है। यही बिहार की ताकत है। यही राहुल गांधी की ताकत है। जब भी देश में लोकतंत्र पर खतरा आया उसका बिगुल बिहार ने ही फूंका, यही इतिहास है। एमके स्टालिन ने कहा कि लोकनायक जय प्रकाश नारायण ने बिहार से ही लोकतंत्र और समाजवाद की आवाज बुलंद की और जनता को संगठित किया। वही कार्य मेरे प्रिय भाई राहुल गांधी और तेजस्वी यादव यहां कर रहे हैं। चुनाव आयोग को वो (भाजपा) रिमोट से चलने वाली कठपुतली बना चुके हैं। 65 लाख बिहार वासियों को मतदाता सूची से हटाना लोकतंत्र की हत्या है।

राहुल गांधी की यात्रा के पूर्व महागठबंधन नेताओ में पोस्टर को लेकर विवाद, एफआईआर दर्ज

पूर्वी चंपारण। 28 अगस्त को मोतिहारी में राहुल गांधी की प्रस्तावित वोटर अधिकार यात्रा के पूर्व महागठबंधन के दो प्रमुख घटक दल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बीच पोस्टर और होर्डिंग लगाने को लेकर विवाद इस कदर गहरा गया है। इसको लेकर नगर थाना में एफआईआर तक दर्ज हो गया है। मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गप्पू राय के निजी सचिव अनुराग तिवारी ने नगर थाना में आवेदन देकर मेयर प्रीति कुमारी, उनके पति व राजद नेता देवा गुप्ता समेत अन्य पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है।उल्लेखनीय है,कि गुरूवार 28 अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तथा अन्य महागठबंधन के नेतागण जिले के ढाका विधान सभा क्षेत्र के फुलवरिया घाट ढाका व चिरैया के रास्ते मोतिहारी पहुंचेगे।

वोट अधिकार यात्रा% के तहत इन नेताओं का रोड शो भी शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरने वाला है। इसको लेकर महागठबंधन के नेताओं में शहर के विभिन्न स्थानो पर अपना-अपना बैनर पोस्टर लगाने की होड़ मची हैं।मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस जिलाध्यक्ष ई.शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने शहर के 54 प्रमुख होर्डिंग स्थलों को बुक कराकर अपने व अपने नेताओं के बैनर लगाए थे।

लेकिन आरोप है कि राजद समर्थकों द्वारा गांधी चौक पर लगे कांग्रेस के बैनर फाड़ दिए गए और उनकी जगह राजद के बैनर लगा दिए गए।इसको लेकर आपत्ति जताने उनके सचिव अनुराग तिवारी जब मौके पर पहुंचे,तो राजद नेता देवा गुप्ता के समर्थक सुगंध गुप्ता और अन्य लोगो ने उन्हे जान से मारने की धमकी दी और वहां से भगा दिया गया। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। घटना की सूचना पर डीएसपी दिलीप सिंह व नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन मौके पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया। नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इधर इस विवाद पर राजद नेता देवा गुप्ता की पत्नी मेयर प्रीति कुमारी ने कहा,हमें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। ऐसा कोई विवाद मेरे संज्ञान में नहीं आया है।फिलहाल पुलिस की जांच जारी है।

नवादा में डायन बताकर पिटाई कर पति की हत्या,पत्नी गम्भीर, 17 गिरफ्तार

नवादा। नवादा में बुधवार को पति -पत्नी को मुहल्लेवालों ने डायन बताकर मॉबलिंचिंग करने का मामला प्रकाश में आया है, जिसमें पति की मौत हो गयी है वहीं पत्नी बुरी तरह जख्मी है। मामला नवादा जिला के हिसुआ थानाक्षेत्र के पांचू गढ़ मुसहरी की है। मुहल्ले के लोगों ने 70 वर्षीय गया मांझी एवं उनकी पत्नी को डायन बताकर क्रूरता के साथ मारपीट किया है। बताया गया है कि दोनों को सिर मुंडन कर सिर में चुना लगाया और पेशाब पिलाया ,फिर जूते चप्पल का माला पहनाया और बुरी तरह मारते -पीटते पूरा मुहल्ला घुमाया। नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने बुधवार को बताया कि इस मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गया मांझी की लाश को पोस्टमार्टम के लिए नवादा लाया गया। उन्होंने कहा कि मोहन मांझी के घर में कार्यक्रम चल रहा था, जिसका डीजे बंद हो गया ।लोगों ने कहा कि गया मांझी और उसकी पत्नी डायन है। मंत्र पढ़कर डीजे बंद कर दिया है। जिस कारण सिर मुड़वा कर पिटाई कर गांव में घुमाया गया ।गंभीर पिटाई के कारण गया मांझी की मौत हो गई। पत्नी की हालत गंभीर बताई जाती है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में शीघ्र प्राथमिकी दर्ज कर 17 लोगों

को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी भी संलिप्तता पाई जाएगी। उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 112 की पुलिस मौके पर पहुंचने के बाद भीड़ को देख कार्रवाई और स्थानीय थाना को सूचना दिए बेग़ैर कन्नी कटाकर निकल लिया। बाद में मामला इतना बिगड़ा कि मारपीट में पति की जान चली गयी। बताया गया है कि बुधवार को मृत पति के साथ पत्नी को जिंदा जलाने की तैयारी भी कर लिया गया था, तभी हिसुआ थाना को सूचना मिली तो शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेजा गया। वहीं जख्मी महिला को इलाज के लिए हिसुआ सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिसुआ थाना में पदस्थापित एसआई रूपा कुमारी ने बताया कि हमें सूचना मिली कि डायन बताकर मुहल्लेवासियों ने मारपीट किया और दोनों को जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। मारपीट में गया मांझी नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी गंभीर रूप से जख्मी है।

फारबिसगंज सुभाष चौक पर पूजा पाठ के बाद शुरु हुआ आरओबी का निर्माण कार्य

अररिया। फारबिसगंज के सुभाष चौक पर 88.55 करोड़ रुपये की लागत से 828.40 मीटर लंबा रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य की शुरुआत बुधवार को शुरू कर दी गई है।निर्माण कार्य से पहले बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अधिकारियों और निर्माण करने वाली देवघर की हरदेव कंस्ट्रक्शन के कर्मचारियों ने सुभाष चौक के पास पूजा पाठ की।निर्माण कार्य को लेकर सुभाष चौक से नेपाल की ओर जाने वाली सड़क को ब्लॉकेज कर दिया गया है और उस सड़क से चार पहिया वाहन सहित बड़ी गाड़ियों के परिचालन को रोक दिया गया है। मौके पर बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव रविरंजन कुमार के साथ देवघर हरदेव कंस्ट्रक्शन के कर्मचारियों के अलावा समाजसेवी सत्येंद्र पंकज,कुंज बिहारी गोयल, चरणदीप सिंह,संजय कुमार साह,सुनील कुमार,जयप्रकाश मोहन,खगेन्द्र साह आदि मौजूद थे। पूजा पाठ के बाद मौजूद लोगों और स्थानीय लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान फारबिसगंज सुभाष चौक पर रेल ओवर ब्रिज निर्माण की घोषणा की थी और निविदा प्रक्रिया के बाद निर्माण एजेंसी के द्वारा निर्माण सामग्री का स्टॉक मिथिला पब्लिक स्कूल के पास किया गया,जिसके बाद बुधवार को आरओबी निर्माण कार्य शुरू करने को लेकर पूजा पाठ किया गया।इस आरओबी का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा किया जाएगा और इसे 36 महीने में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।निविदा प्रक्रिया उपरांत अधिकारियों के द्वारा भू अर्जन और निर्माण की तैयारियों का जायजा भी लिया जा चुका है। उल्लेखनीय हो कि 22 फरवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान अररिया का दौरा किया था,जिसमें उन्होंने 304.66 करोड़ रुपये की 449 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था।प्रगति यात्रा के दौरान ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फारबिसगंज में जाम की समस्या से निबटने को लेकर सुभाष चौक पर रेल ओवर ब्रिज निर्माण की घोषणा की थी।घोषणा की बाद मुख्यमंत्री ने प्राथमिकता को तौर पर कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को पारित करवाते हुए निर्माण कार्य को लेकर प्रारंभ करवा दिया था। मौके पर मौजूद बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव रवि रंजन ने बताया कि सुभाष चौक पर आज दो से तीन पीलर निर्माण को लेकर पाइलिंग का काम किया जाएगा। पाइलिंग के लिए गड्ढे खोदे जाने के बाद पीलर की ढलाई की जाएगी।

चंपारण के गांधी मो. सलाहुद्दीन की पहली पुण्यतिथि: सत्य, सेवा और समर्पण के प्रतीक को भावभीनी श्रद्धांजलि

सद्भावना टुडे संवाददाता

रामनगर, पश्चिम चंपारण (बिहार)। सत्याग्रह की पावन भूमि पर बुधवार को इतिहास और वर्तमान का अनोखा संगम देखने को मिला। महात्मा गांधी के सत्याग्रह की धरती पर, जननेता मोहम्मद सलाहुद्दीन की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धा, स्मृतियों और संकल्प का ऐसा माहौल बना जिसने पूरे बिहार को भावविभोर कर दिया। रामनगर स्थित कर्पूरी आश्रम, जिसे स्वयं मोहम्मद सलाहुद्दीन ने समाज सेवा की तपोभूमि के रूप में स्थापित किया था, वहाँ राज्यभर से हजारों लोग जुटे। हर वर्ग, हर जाति और हर पीढ़ी के लोगों ने उन्हें याद किया और उनके गांधीवादी विचारों को आत्मसात कर समाज में फैलाने का संकल्प लिया।

संघर्ष और सेवा की गाथा को याद करता चंपारण

सलाहुद्दीन सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संघर्षकालीन साथी, एक समाजवादी योद्धा और चंपारण की आत्मा के प्रतीक थे। वे जमीन से जुड़े हुए ऐसे नेता रहे, जिनके लिए गाँव-गरीब ही असली पहचान थे। इस सफल आयोजन की अगुवाई उनके सबसे करीबी साथी और अधिवक्ता श्याम नारायण पांडे ने की। पूरा माहौल श्रद्धा, संवेदना और संकल्प का प्रतीक बन गया।

श्रद्धांजलि संदेश

समारोह में मौजूद प्रमुख नेताओं, समाजसेवियों और साथियों ने मोहम्मद सलाहुद्दीन को याद करते हुए भावुक शब्दों में अपनी श्रद्धा व्यक्त की

- डॉ. किरण शंकर झा (सामाजिक कार्यकर्ता एवं चिकित्सक): जीवन भर जनसंघर्ष और सेवा के रास्ते पर चलते रहे और उसी ने उन्हें चंपारण का गांधी बना दिया।
- भीष्म साहनी (बिहार विधान परिषद सदस्य): जहाँ गांधी ने सत्याग्रह किया, वहीं सलाहुद्दीन ने जनसेवा को जीवन बनाया। उन्होंने गांधी की भूमि पर सत्ता नहीं, बल्कि समाज की सेवा को अपनी राजनीति का आधार बनाया।

- भगवत ठाकुर निराला (संघर्षकालीन साथी): सत्य, सेवा और समर्पण यही है चंपारण के गांधी की पहचान। उनके जीवन की सबसे बड़ी पूँजी सत्यनिष्ठा, निस्वार्थ सेवा और सम्पूर्ण समर्पण था।
- परवेज़ आलम (एनसीपी जिला अध्यक्ष): मोहम्मद सलाहुद्दीन चंपारण की मिट्टी की खुशबू और जनता की धड़कन थे। वे जनता की तकलीफों से गहराई से जुड़े हुए नेता थे।
- हसरत मोहानी (समाजसेवी): उन्होंने गरीब, किसान और वंचितों के बीच रहकर उन्हें अपनी असली ताक़त बनाया। यही कारण है कि उनकी मृत्यु के बाद भी उनके विचार और आदर्श समाज को राह दिखा रहे हैं।
- लालबाबू पटेल (सामाजिक कार्यकर्ता): चंपारण की आत्मा का दूसरा नाम मोहम्मद सलाहुद्दीन हैं। वे केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि चंपारण की अस्मिता और आत्मा का प्रतीक बन गए। सत्याग्रह की धरती पर सेवा का नया अध्याय लिखकर उन्होंने गांधी की परंपरा को आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर जेडीयू, बीजेपी, आरजेडी और कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने भी अपनी श्रद्धांजलि दी और मोहम्मद सलाहुद्दीन के जीवन एवं योगदान को याद किया। कार्यक्रम के अंत में सदाकांत शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा याद किया जाएगा हमेशा, जो जीए दूसरों के लिए। उनकी महानता इसी में है कि उन्होंने अपना जीवन समाज और जनता के लिए जिया। उनकी विरासत है इंसानियत, न्याय और आत्मसम्मान।

गांधीवादी विरासत

मोहम्मद सलाहुद्दीन का जीवन 'सत्य, सेवा और समर्पण' की त्रयी पर आधारित था। उन्होंने राजनीति को सत्ता का नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम बनाया। वे गरीब, किसान, दलित और वंचित समाज की आवाज़ बनकर उभरे और चंपारण की अस्मिता का पर्याय बन गए। आज, उनकी पुण्यतिथि के एक वर्ष बाद भी उनके विचार, संघर्ष और संस्कार समाज को दिशा दे रहे हैं। उनकी महानता इसी में है कि वे अपने लिए नहीं, बल्कि हमेशा दूसरों के लिए जीए। वे सिर्फ चंपारण के गांधी नहीं थे, बल्कि एक ऐसी विरासत हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाती है कि असली ताक़त सत्ता में नहीं, बल्कि इंसानियत, न्याय और आत्मसम्मान में है। मोहम्मद सलाहुद्दीन चंपारण की आत्मा, जनता की धड़कन और सेवा की अनंत ज्योति।

भारत-नेपाल सीमा पर 62 किलो से अधिक चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 47वीं बटालियन के जवानो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में चरस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसएसबी 47वीं बटालियन के सोमवार को इसकी जानकारी देते कमांडेंट संजय पांडेय ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से मादक पदार्थ की बड़ी खेप भारत में प्रवेश करने वाली है। सूचना के आलोक में सीमा पर तैनात जवानों को अलर्ट किया गया और हर आने-जाने वाले वाहनों की जांच तेज कर दी गई।

इसी दौरान पिलर संख्या 410/1 के समीप वाहिनी के जवानो को नेपाल की ओर से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति भारतीय सीमा में प्रवेश करते दिखाई दिए। जवानों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों तस्कर भागने लगे। एसएसबी के जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 62 किलो 666 ग्राम नेपाली चरस बरामद किया गया। जब्त चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 14 करोड़ रुपये आंकी गई है।गिरफ्तार तस्करों की पहचान बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के रहने वाले सोनू कुमार और रमेश कुमार के रूप में हुई है। एसएसबी अधिकारियों के अनुसार दोनों तस्कर नेपाल से चरस लेकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे और इसे आगे सप्लाई करने की योजना थी। पकड़े गए आरोपियों को आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद स्थानीय थाना पुलिस को सौंप दिया गया है।

एक नजर

बीपी कंट्रोल रखने का आसान उपाय है समय पर नींद लेना

वाशिंगटन। बीपी को कंट्रोल रखने का सबसे आसान उपाय है नियमित और समय पर नींद लेना। हाल ही में अमेरिका में रहने वाले हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय भोजराज ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि लोग यह मानते हैं कि केवल डाइट और एक्सरसाइज से ही बीपी कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन असल में नींद भी उतनी ही जरूरी है।

उनका कहना है कि बीपी को कंट्रोल रखने के लिए लोगों को रोजाना एक ही समय पर सोना और उठना चाहिए, चाहे वीकेंड ही क्यों न हो। ऐसा करने से शरीर की सर्केडियन लय नियंत्रित रहती है, कोर्टिसोल लेवल घटता है, हृदय गति सामान्य रहती है और ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि बीपी कंट्रोल के लिए ज्यादा नींद लेना जरूरी नहीं, बल्कि नियमित समय पर नींद लेना अहम है। यह रूटीन शरीर को संकेत देता है कि कब आराम करना है और कब रिपेयर प्रक्रिया करनी है। यही वजह है कि लगातार छह घंटे से कम नींद लेने वाले लोगों में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा काफी ज्यादा हो जाता है। वयस्कों को कम से कम सात से नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए। खराब नींद न केवल बीपी बढ़ाती है, बल्कि हार्मोनल असंतुलन पैदा कर तनाव, मोटापा और डायबिटीज जैसी समस्याओं को भी जन्म देती है। ये सभी बीमारियां मिलकर हृदय रोग का खतरा बढ़ाती हैं। वहीं, अच्छी नींद लेने से तनाव हार्मोन और मेटाबॉलिज्म नियंत्रित रहते हैं, जिससे दिल स्वस्थ बना रहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नींद का मतलब लंबे समय तक सोना नहीं है, बल्कि तय समय पर सोना ज्यादा जरूरी है। ज्यादा नींद लेने से डायबिटीज, मोटापा और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। इन समस्याओं के चलते व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ और खराब नींद का सामना करना पड़ता है, जिससे ब्लड प्रेशर और बिगड़ सकता है। बता दें कि भागती-दौड़ती जिंदगी में बिगड़ा खानपान और सुस्त लाइफस्टाइल लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ा रहा है। अक्सर जब बीपी कंट्रोल की बात होती है तो लोग तुरंत डाइट, वर्कआउट या दवाओं की सलाह देने लगते हैं।

बांग्लादेश और दक्षिण कोरिया रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमत

ढाका (बांग्लादेश)/सियोल (दक्षिण कोरिया)। बांग्लादेश और दक्षिण कोरिया ने अपने मौजूदा राजनीतिक और विकासात्मक संबंधों को और गहरा करने पर सहमति जताई है। साथ ही रणनीतिक साझेदारी के अवसर भी तलाशे हैं। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों देशों ने यह सहमति कल सियोल में आयोजित विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के चौथे दौर के दौरान जताई। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की खबर में आज यह जानकारी दी गई। द डेली स्टार के अनुसार, विदेश मंत्रालय के सचिव (द्विपक्षीय-पूर्व और पश्चिम) डॉ. नजरुल इस्लाम ने बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल और कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रथम उपमंत्री पार्क यूनजू ने किया। दक्षिण कोरिया 1.3 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के साथ बांग्लादेश का पांचवां सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रदाता है। सैमसंग सहित 200 से अधिक कोरियाई कंपनियों की बांग्लादेश में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। दक्षिण कोरिया में लगभग 20,000 बांग्लादेशी नागरिक रहते हैं। इनमें से अधिकांश प्रवासी कामगार और उनके परिवार हैं। प्रतिनिधियों ने राजनीतिक और आर्थिक सहयोग, व्यापार और निवेश, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे के विकास, कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन संयंत्रों के स्थानांतरण, ऊर्जा सहयोग, सुरक्षा और रोहिंग्याओं की स्थिति के साथ-साथ आपसी हित के अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा परिवर्तन, मत्स्य पालन, जैव प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, कृषि मशीनीकरण और समुद्री बंदरगाहों एवं शिपयार्डों के आधुनिकीकरण में सहयोग के नए अवसरों की पहचान की। कोरियाई पक्ष ने ऋण और अनुदान दोनों के तहत बांग्लादेश की उच्च-गुणवत्ता वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन किया। कोरियाई पक्ष ने रोहिंग्याओं की मेजबानी में बांग्लादेश की मानवीय भूमिका की सराहना की और निरंतर मानवीय सहायता के साथ-साथ म्यांमार में उनके शीघ्र प्रत्यावर्तन के लिए निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

श्रीलंका में रानिल विक्रमसिंघे के समर्थक अदालत के फैसले से खुश

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के समर्थक और प्रशंसक अदालत के उन्हें जमानत देने के फैसले से खुश हैं। विपक्षी नेता सजित प्रेमदासा ने विक्रमसिंघे को जमानत देने के अदालत के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, इससे एक बार फिर साबित होता है कि न्यायपालिका में कोई भी दखल नहीं दे सकता। हम इस नतीजे से खुश हैं। इससे साबित होता है कि देश की न्याय व्यवस्था स्वतंत्र है। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार, कल फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में कुछ पल तनावपूर्ण रहे। जब खबर आई कि पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को कथित सरकारी धन के दुरुपयोग से जुड़े मामले में जमानत मिल गई है तो स्थिति सामान्य हो गए। दोपहर से ही अदालत के बाहर भीड़ जमा थी। लोग रानिल के समर्थन में नारे लगा रहे थे। न्यायालय के प्रवेश द्वार पर उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब बौद्ध भिक्षुओं के एक समूह को प्रवेश करने से रोक दिया गया। भिक्षु थिन्यावाला ज्ञानलोक थेरा और अम्बनपोला ज्ञानरत्न थेरा ने बाद में पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। जमानत मिलने की सूचना पाकर श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) सांसद नमल राजपक्षे ने भावुक बयान देते हुए कहा, हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। मौजूदा सरकार ने मेरे परिवार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। मेरे पिता ने 1989 के विद्रोह के दौरान जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) सदस्यों को बचाने की कोशिश की थी, फिर भी आज वे उनके पीछे पड़े हैं।

पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर जलमग्न, गुरुद्वारा दरबार साहिब बाढ़ से घिरा, 300 लोग फंसे

नारोवाल (पंजाब),एजेंसी। पाकिस्तान में रावी नदी के उफान पर आने से पंजाब प्रांत का नारोवाल जिला बाढ़ से घिर गया है। करतारपुर कॉरिडोर के जलमग्न हो जाने से बुधवार सुबह लगभग 300 लोग फंस गए। करतारपुर गुरुद्वारा दरबार साहिब तो पूरी तरह जलमग्न हो गया है। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सेना को बुलाया गया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, सेना को पंजाब प्रांत के बाढ़ प्रभावित छह जिलों में तैनात किया गया है। बाढ़ प्रभावित जिलों में नारोवाल प्रमुख है। रावी नदी का पानी गुरुद्वारा दरबार साहिब तक पहुंच गया है। इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बाढ़ का पानी गुरुद्वारा साहिब परिसर में घुस गया है। परिसर के कुछ हिस्सों में पानी का स्तर लगभग तीन फीट तक पहुंच गया है। बाढ़ के कारण गुरुद्वारा प्रांगण और मुख्य सीढ़ियां डूब गई हैं। तीर्थयात्री वहीं फंसे हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल निकासी और सफाई कार्य पूरा होने के बाद ही गुरुद्वारा साहिब के दर्शन शुरू हो पाएंगे।

पंजाब के अधिकारियों के अनुसार, लाहौर, फैसलाबाद, ओकारा, कसूर, सियालकोट और नरोवाल जिले में बचाव और राहत कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। सतलुज नदी के किनारे कसूर और गंदा सिंह वाला सहित कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। पंजाब में कम से कम 32,589 लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकाला गया है। रेस्क्यू 1122 के अनुसार, सिंधु, चिनाब, रावी, सतलुज और झेलम नदियां उफान पर हैं। बुधवार दोपहर तक ननकाना साहिब से 719, हाफिजाबाद से 124, नरोवाल से 103, गुजरात से 27 और गुजरांवाला से 14 लोगों को बचाया गया। नारोवाल में लोगों को निकालने के लिए 14 नाव भेजी गई हैं। पंजाब पुलिस के महानिरीक्षक डॉ. उस्मान अनवर ने कहा है कि मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ के निर्देश पर पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। लाहौर, शेखपुरा और ननकाना साहिब में लोगों को निकालने का काम चल रहा है। उल्लेखनीय है कि करतारपुर कॉरिडोर पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब तक भारतीय सिखों को पहुंचने की सुविधा प्रदान करता है। इसे गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व से पहले नवंबर 2019 में खोला गया था। गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर सिख समुदाय के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है। करतारपुर की स्थापना 1504 में गुरुनानक देव ने की थी। उन्होंने रावी नदी के किनारे अपना ठिकाना बनाया था।

पाकिस्तान को फंसाने के बाद अब साउथ कोरिया पर डोरे डाल रहे ट्रंप

वाशिंगटन। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी दबाव वाली राजनीति के पंजे में साउथ कोरिया को फंसाना चाहते हैं। पहले उन्होंने पाकिस्तान को फंसाया था। भारत के केस में ट्रंप ने ना सिर्फ 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया बल्कि पड़ोसी मुल्का पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को अपनी गोद में बैठा लिया था। मुनीर को दो बार अमेरिका बुलाया गया। अब साउथ कोरिया पर दबाव की राजनीति के अपने गंदे खेल में ट्रंप नॉर्थ कोरिया से दोस्ती बढ़ाने की बात करते नजर आ रहे हैं।

साउथ कोरिया अमेरिकी सुरक्षा पर भारी निर्भर है। विशेषकर सैनिक तैनाती और परमाणु रोधक उपायों के संदर्भ में वो अमेरिका पर निर्भर है। ली जे-म्यंग का लक्ष्य अमेरिका और चीन के बीच संतुलन बनाए रखना है। ट्रंप के बयान ने वार्ता के पूर्व माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। ट्रंप की यह नीति बताती है कि वह अलग-अलग देशों के साथ अपनी रणनीति परिस्थितियों के हिसाब से बदलते हैं। भारत को यह सुरक्षा संवाद का अवसर मिला, जबकि साउथ कोरिया को व्यापार, परमाणु शक्ति और रक्षा खर्च जैसे मुद्दों पर गंभीर दबाव झेलना पड़ रहा है। यह दोनों मामलों से स्पष्ट है कि ट्रंप की विदेश नीति बहुपरतीय, परिस्थिति-निहित और कभी-कभी अप्रत्याशित रहती है। दोनों नेता अपने पहले शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रहे थे, तभी ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बिना कोई सबूत दिए कहा कि दक्षिण कोरिया में सफाई या क्रांति जैसा कुछ प्रतीत होता है और हम वहां ऐसा नहीं कर सकते और न ही व्यापार कर सकते हैं। यह बयान न केवल साउथ कोरिया के लिए अप्रत्याशित था, बल्कि उनकी अमेरिका-केंद्रित विदेश नीति पर भी सवाल खड़ा करता है। ट्रंप ने कारण स्पष्ट नहीं किए, लेकिन यह टिप्पणी कोरियाई अति-दक्षिणपंथी समूहों और पूर्व राष्ट्रपति युन के समर्थकों के आरोपों से मेल खाती दिख रही है। उधर, ट्रंप ने साउथ कोरिया के कट्टर दुश्मन नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से मिलने की इच्छा जताकर अपने इस क्लोज अलाई को बुरी तरह शॉक कर दिया है। विश्लेषक मानते हैं कि ट्रंप की रणनीति हर स्थिति में अमेरिका के आर्थिक और सुरक्षा हितों को प्राथमिकता देने की है। भारत और साउथ कोरिया में उसकी नीतियों का अंतर साफ दिखता है। भारत के मामले में उन्होंने पाकिस्तान को बुलाकर क्षेत्रीय तनाव को नियंत्रित करने का प्रयास किया, जबकि साउथ कोरिया में वह सीधे आर्थिक और सुरक्षा दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान में पंजाब के छह जिलों में बाढ़ से निपटने के लिए सेना बुलाई गई

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के छह जिलों में नदियों के जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि से बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। पंजाब सरकार तटीय क्षेत्र के गांवों को खाली करा रही है। साथ ही बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए छह जिलों में सेना बुलाई गई है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने मंगलवार देर रात कहा कि भारत ने रावी नदी पर स्थित अपने थीन बांध के सभी द्वार खोल दिए हैं। इस दौरान बारिश के कारण चिनाब नदी उफान पर है। चिनाब के निचले इलाके में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं।

डान अखबार की खबर के अनुसार, बुधवार आधीरात बाद 2 बजे हेड मराला में चिनाब और हेड जस्सर में रावी नदियां खतरे के निशान को पार कर गईं। इससे इलाके में बाढ़ आ गई। चिनाब पर स्थित हेड खानकी और हेड कादिराबाद भी अगले 24 घंटों के भीतर खतरनाक स्तर को पार कर सकते हैं। अधिकारियों को डर है कि रावी नदी से व्यापक नुकसान हो सकता है। लाहौर और कसूर सहित कई जिलों में आपातकालीन स्थिति उत्पन्न हो गई है। कसूर में 72 गांव और 45,000 निवासी प्रभावित हुए हैं। पाकपट्टन, वेहारी, बहावलनगर और बहावलपुर सहित सतलुज बेसिन में हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 14,000 नागरिकों और 17,000 पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पीडीएमए ने कहा कि उसने 130 नावें, 115 आउटबोर्ड मोटरें, 500 बचावकर्मी, 1,300 लाइफ जैकेट और 1,600 टेंट भी तैनात किए हैं। रेस्क्यू 1122 ने कहा कि उसने कसूर, ओकारा, पाकपट्टन, बहावलनगर और वेहारी से 28,055 लोगों को निकाला है। पीडीएमए के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने नदी-तल और नालों, खासकर देग नाले से तत्काल जल निकासी के आदेश दिए हैं। इस बीच राहत आयुक्त नबील जावेद ने मुर्री और गलियत में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। पंजाब गृह विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार, लाहौर, फैसलाबाद, कसूर, सियालकोट, नरोवाल और ओकारा जिलों में जिला प्रशासन की मदद के लिए सेना की तैनाती की गई है। इस बीच राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इनाम हैदर मलिक ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान के 7,500 ग्लेशियरों में से लगभग 45 प्रतिशत तेजी से पिघल रहे हैं। इस वर्ष की विनाशकारी बाढ़ मुख्य रूप से हिमनदों के पिघलने के कारण आई है। उन्होंने बताया कि मौजूदा मानसून के 10 सितंबर तक रहने की उम्मीद है।

10वां टेस्ट फ्लाइट सफल: टेक्सास से लॉन्च हुआ दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट

टेक्सास। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की प्राइवेट स्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने बुधवार को एक और इतिहास रच दिया। कंपनी ने दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। यह स्टारशिप का अब तक का 10वां इंटीग्रेटेड टेस्ट फ्लाइट है, जिसका इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था। यह उड़ान अमेरिका के टेक्सास राज्य में स्थित स्पेसएक्स के स्टारबेस लॉन्च साइट से हुई। इससे पहले सोमवार और मंगलवार को खराब मौसम और तकनीकी जांच के कारण दो बार लॉन्च टालना पड़ा था।

स्टारशिप का ऊपरी हिस्सा लगभग ऑर्बिटल वेग (कक्षा तक की गति) तक पहुंचा और रिइंट्री के दौरान अपने थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम और स्ट्रक्चरल स्ट्रेंथ का टेस्ट करेगा। स्पेसएक्स का लक्ष्य है कि इसके जरिए धरती पर प्वाइंट-टू-प्वाइंट तेज यात्रा की जाए। आर्टेमिस प्रोग्राम के तहत चांद पर इंसानी मिशन भेजा जाए। वहीं भविष्य में मंगल ग्रह पर इंसानों को भेजने के लिए भी इस रॉकेट की कामयाबी और लगातार टेस्टिंग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह रॉकेट 232 फीट ऊंचे सुपर हेवी बूस्टर और 171 फीट ऊंचे स्टारशिप अपर स्टेज से मिलकर बना है, जो इसे स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से भी ऊंचा बनाता है। सोमवार को लॉन्च से पहले इसमें ईंधन भरा गया था और उड़ान के लिए तैयार भी था, लेकिन रात करीब 8 बजे स्पेसएक्स ने इसे लॉन्च की बजाय रीहर्सल फ्लाइट में बदलने का फैसला किया। मंगलवार को भी इसका लॉन्च कुछ समय के लिए टाला गया था। रविवार को लॉन्चपैड पर लिक्विड ऑक्सीजन का लीक मिला था। सुरक्षा को देखते हुए लॉन्च टाला गया। बता दें कि स्पेसएक्स इस उड़ान के जरिए स्टारशिप की रीयूजेबिलिटी (बार-बार इस्तेमाल होने की क्षमता) को परखना चाहता है। लॉन्च के कुछ मिनट बाद ही रॉकेट ने सफलतापूर्वक 'हॉट स्टेजिंग' की और स्टारशिप सुपर हेवी बूस्टर से सही समय पर अलग हुआ। पहले की तरह जमीन पर रिकवरी की कोशिश करने के बजाय, इस बार बूस्टर को मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित स्प्लैशडाउन के लिए भेजा गया। टेस्ट के दौरान बूस्टर ने कई बार इंजन रीस्टार्ट करने, फ्लिप करने और बूस्टबैक बर्न जैसे कठिन प्रयोग किए। ये सभी तकनीकें भविष्य में उस चरण के लिए जरूरी हैं, जब कंपनी लॉन्च टावर की मैकेनिकल आर्म्स से बूस्टर को पकड़ने की कोशिश करेगी।

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी

क्वेटा (बलोचिस्तान),एजेंसी। बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी है। बीएलएफ ने कहा कि बलोचिस्तान के संसाधनों का दोहन करने में पाकिस्तान के साथ गठबंधन करने वाली किसी भी विदेशी शक्ति को परिणाम भुगतने होंगे। इसी के साथ बीएलएफ ने अपने आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय समर्थन की अपनी अपील को दोहराया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, यह चेतावनी बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलोच ने जारी एक बयान में दी। प्रवक्ता ने कहा कि बीएलएफ का आंदोलन बलोच राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम है। इस संघर्ष का एकमात्र मकसद पाकिस्तान से आत्मनिर्णय का अधिकार प्राप्त करना है। मेजर ग्वाहरम ने कहा कि बलोच स्वतंत्रता संग्राम 75 वर्ष से भी अधिक समय से चल रहा है। बयान में कहा गया है, बलोच आतंकवादी नहीं हैं। वे स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपनी मातृभूमि, संसाधनों और राष्ट्रीय पहचान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बीएलएफ ने बलोचिस्तान की खनिज संपदा के खनन के संबंध में पाकिस्तान के साथ नए समझौते करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की कड़ी निंदा की। ग्वाहरम के अनुसार, वाशिंगटन का यह निर्णय एक गंभीर अन्याय है। बयान में अमेरिका की संलिप्तता की तुलना पाकिस्तान और चीन के बीच ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर हुए पहले के समझौतों से की गई।

बीएलएफ ने बीजिंग पर बलोच स्वतंत्रता आंदोलन को आतंकवाद बताकर अपनी औपनिवेशिक भूमिका को छुपाने का आरोप लगाया। प्रवक्ता ने कहा, बलोचिस्तान के संसाधनों की लूट में पाकिस्तान के साथ साझेदारी करने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई सफलता हासिल नहीं होगी। बीएलएफ ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को भी चेतावनी दी और दोनों देशों से बलोचिस्तान में निवेश से बचने का आग्रह किया। ग्वारम बलोच ने पाकिस्तान की सेना पर बलोचिस्तान में नागरिकों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया। समूह ने अपना रुख दोहराया कि बलोच मुक्ति आंदोलन पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं है। ग्वारम ने सीधे तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और चीन को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि बलोचिस्तान के संसाधनों का दोहन करने में पाकिस्तान के साथ गठबंधन करने वाली किसी भी विदेशी शक्ति को परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, यह जापान नहीं है, आयरलैंड नहीं है, या कोई और क्षेत्र नहीं है। यह बलोचिस्तान है। विरोधियों के लिए इसका भूगोल कठोर है, लेकिन बलोचों का प्रतिरोध कहीं ज्यादा कठोर है।समूह के प्रवक्ता ने कहा कि बीएलएफ को पड़ोसी देशों और वैश्विक शक्तियों से वित्तीय, सैन्य और कूटनीतिक समर्थन की आवश्यकता है। बलोच ने यह भी कहा, हमें अपना संघर्ष शुरू करने या खत्म करने के लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। बलोच राष्ट्र किसी भी कीमत पर अपने खनिजों, तेल, गैस और तटरेखा की रक्षा करेगा।

अमेरिका में टीचर बच्चियों का करता था यौन शोषण, कोर्ट ने दी 215 साल की सजा

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक 64 साल के टीचर किम केनेथ विल्सन को कोर्ट ने मासूम बच्चियों से यौन शोषण और उनसे जुड़े गंभीर अपराधों में दोषी मानते देते हुए 215 साल कैद की सजा सुनाई है। देखने में वह एक साधारण और मेहनती शिक्षक लगता था, जिसे बच्चे अपना 'फेवरेट टीचर' कहते थे, लेकिन उसकी असलियत बेहद खौफनाक थी। वह करीब 23 साल तक एक एलिमेंट्री स्कूल में पढ़ाता रहा और इसी दौरान उसने बच्चों के साथ बड़ा गुनाह किया। विल्सन स्कूल के ऑडियो-वीडियो क्लब का प्रमुख भी था, जिसके चलते उसे स्कूल के ब्रॉडकास्ट रूम तक हमेशा बिना रोक-टोक आने जाने की इजाजत थी। यह कमरा पूरी तरह साउंडप्रूफ था और इसको उसने अपनी दरिंदगी का अड्डा बना रखा था। वहां वह मासूम बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाता और दरवाजा बंद कर गलत हरकतें करता और इस दौरान वीडियो और तस्वीरें भी बनाता। चौंकाने वाली बात यह है कि उसने 6-7 साल की बच्चियों तक को नहीं छोड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक टीचर विल्सन की दरिंदगी सिर्फ स्कूल तक ही सीमित नहीं थी। अपने घर पर भी निजी पार्टियां करता और वहां बच्चों को बुलाकर उनका शोषण करता था। सालों तक इस गुनाह को अंजाम देने के बाद उसने हजारों आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बनाए थे। हैरानी की बात यह रही कि इतने लंबे समय तक न स्कूल प्रशासन को भनक लगी और न ही किसी ने इसकी शिकायत की। आखिरकार 2023 में एक गुमनाम शिकायत के बाद पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा। जांच में मिले सबूतों ने सबको हैरान कर दिया। वहां से बड़ी संख्या में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई और कई बच्चों के साथ शोषण की पुष्टि हुई। मामला कोर्ट पहुंचा तो कई बच्चों और उनके परिवारों ने साहस दिखाते हुए गवाही दी।

कोर्ट ने उसे 36 गंभीर आरोपों में दोषी ठहराया। पीड़ितों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है, लेकिन सदमे और डर की वजह से कई लोग सामने नहीं आए। अमेरिकी कोर्ट ने विल्सन को 215 साल कैद की सजा सुनाई और साफ किया कि अब यह व्यक्ति जिंदगी का हर दिन जेल की सलाखों के पीछे गुजारेगा। हालांकि अमेरिकी कानून के तहत बुजुर्ग कैदियों को 20 साल की सजा काटने के बाद पैरोल मिलने का नियम है। अगर विल्सन इस नियम का फायदा उठाता है, तो 85 साल की उम्र में वह जेल से बाहर आ सकता है।

दलीप ट्रॉफी की पारंपरिक प्रारूप में वापसी, खिलाड़ियों के लिए काफी कुछ दांव पर

बेंगलुरु,एजेंसी। युवा और महत्वाकांक्षी खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के मंच पर अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे जब बृहस्पतिवार से लाल गेंद की इस प्रतियोगिता की अपने पारंपरिक क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी होगी और इसके साथ ही भारत के घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत होगी। यह क्षेत्रीय टीम 1960 के दशक में शुरू की गई इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। पिछले सत्र में जब यह प्रतियोगिता अव्यवस्थित ढंग से तैयार भारत ए, बी, सी और डी टीमों के बीच खेली गई थी तो हितधारक खुश नहीं थे और फिर उम्मीद के मुताबिक प्रतियोगिता की पुराने प्रारूप में वापसी हुई है।

इस टूर्नामेंट ने पहले अधिक सुर्खियां नहीं बटोरी थी लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपने स्टार खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में नहीं होने या चोटिल नहीं होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेना अनिवार्य करने के बाद यह फिर से प्रासंगिक हो गया है। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल शारदुल ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की टीम की कप्तानी करेंगे जिसमें श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल शामिल हैं। भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह गंवा चुके अय्यर ढेरों रन बनाना चाहेंगे जबकि सरफराज के साथ भी यही स्थिति है जिन्हें हाल ही में इंग्लैंड दौरे के लिए नजरअंदाज़ किया गया था। एशिया कप टी20 के लिए नहीं चुना जाना अय्यर के लिए प्रेरणा का एक अतिरिक्त स्रोत होगा जिनके बाहर होने पर राय विभाजित हैं। जायसवाल को भी उनकी कोई गलती नहीं होने के बावजूद एशिया कप टीम से बाहर कर दिया गया था। घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर भारत के लिए लाल गेंद से उनका प्रदर्शन विशेष रहा है और वह अपने सत्र की शुरुआत अच्छी पारियों से करना चाहेंगे। तिलक वर्मा की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र की टीम में सभी की नजरें आर साई किशोर पर होंगी जो हाथ की चोट के कारण बुची बाबू टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। लोकेश राहुल और साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। देवदत्त

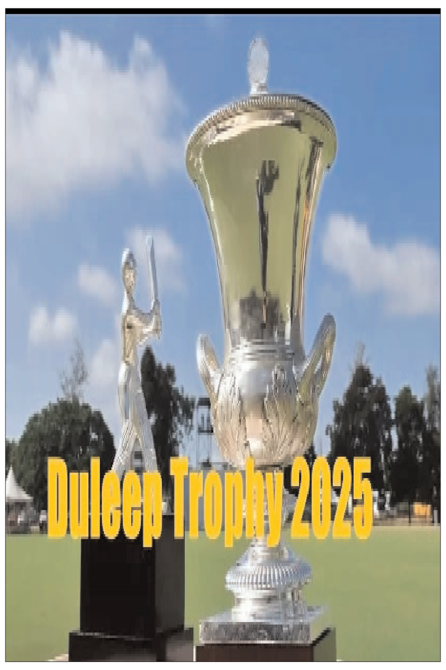

पडिक्कल चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं और प्रभावशाली प्रदर्शन उन्हें फिर से राष्ट्रीय टीम में जगह दिला सकता है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण किया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह गंवा बैठे थे। पूरे इंग्लैंड दौरे के दौरान मौके का इंतजार करते रहे अभिमन्यु ईश्वरन चोटिल इशान किशन की अनुपस्थिति में पूर्वी क्षेत्र की टीम की कप्तानी करेंगे। जाहिर है कि इंग्लैंड में लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने के बाद ईश्वरन मैदान पर आकर रन बनाने के लिए बेताब होंगे।

कई मौकों पर भारतीय टीम का हिस्सा होने के बावजूद ईश्वरन अभी तक पदार्पण नहीं कर पाए हैं और उन्हें घरेलू क्रिकेट में रन बनाते रहना होगा। गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शमी की लाल गेंद की फिटनेस का आकलन किया जाएगा क्योंकि चोट के कारण उन्होंने टेस्ट टीम में अपनी जगह खो दी है। यह 34 वर्षीय तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे का हिस्सा नहीं था और उन्होंने पिछली बार 2023 में टेस्ट मैच खेला था। केवल लंबे स्पैल और ढेर सारे विकेट ही चयनकर्ताओं को इस कुशल गेंदबाज पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर सकते हैं जो अपने शीर्ष से आगे निकल चुका है। शुभमन गिल को उत्तर क्षेत्र की कप्तानी के लिए चुना गया था लेकिन बीमारी के कारण वह शुरुआती मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

गिल की अनुपस्थिति में उप कप्तान अंकित कुमार टीम की कमान संभाल सकते हैं। दलीप ट्रॉफी में भारत के नए टेस्ट कप्तान की मौजूदगी से टूर्नामेंट में और भी अधिक दिलचस्पी पैदा होती लेकिन वह फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। एशिया कप टीम में शामिल अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा संभवत: केवल शुरुआती मैच में ही खेलेंगे और फिर यूएई जाने वाली टी20 टीम से जुड़ जाएंगे। अर्शदीप इंग्लैंड में सभी पांच टेस्ट मैच से बाहर रहे जबकि अंशुल कंबोज जैसा खिलाड़ी टीम में देर से शामिल होने के बावजूद पदार्पण करने में सफल रहा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए बेताब है और इसके लिए उन्हें लाल गेंद की घरेलू प्रतियोगिताओं में मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। राणा लंबे प्रारूप में फिलहाल राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की योजना का हिस्सा नहीं हैं और इसलिए उत्तर क्षेत्र के लिए अपने शुरुआती मैच में खुद को पूरी तरह झोंकने के उनके पास पर्याप्त कारण हैं। ध्रुव जुरेल और रजत पाटीदार मध्य क्षेत्र की टीम में उल्लेखनीय नाम हैं। टूर्नामेंट में जुरेल के नेतृत्व कौशल का आकलन किया जाएगा जबकि पाटीदार पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम से अपनी जगह गंवाने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करने की कोशिश करेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र की टीम के लिए खेल के दिग्गजों का सामना करना एक बड़ी चुनौती होगी और इस संदर्भ में एक उत्कृष्ट प्रदर्शन तुरंत ध्यान आकर्षित करेगा।

टीम इस प्रकार हैं

दक्षिण क्षेत्र: तिलक वर्मा, मोहम्मद अजहरुद्दीन, तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीशन, त्रिपुराना विजय, आर साई किशोर, तन्य त्यागराजन, विजयकुमार विशाक, निधीश एमडी, रिकी भुई, बासिल एनपी, गुरजपनीत सिंह और स्नेहल कौथंकर।

पूर्व क्षेत्र: अभिमन्यु ईश्वरन, संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधू जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप और मोहम्मद शमी।

पश्चिम क्षेत्र: शारदुल ठाकुर, यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे और अर्जन नागवासवाला।

उत्तर क्षेत्र: शुभम खजूरिया, अंकित कुमार, आयुष बडोनी, यश धुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, आकिब नबी और कन्हैया वधावन।

मध्य क्षेत्र: ध्रुव जुरेल, रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुतार और खलील अहमद।

पूर्वोत्तर क्षेत्र: जोनाथन रोंगसेन, आकाश कुमार चौधरी, तेची डोरिया, युमनुम कर्णजीत, सेडेझाली रूपेरो, आशीष थापा, हेम बहादुर छेत्री, जेहू एंडरसन, अर्पित सुभाष भटेवरा, फिरोजम जोतिन सिंह, पालजोर तमांग, अंकुर मलिक, बिश्वोरजीत सिंह कोंथौजम, आर्यन बोरा और लामाबम अजय सिंह।

एक नजर

पुजारा को लगता था स्टेन, मोर्केल सहित इन गेंदबाजों से डर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज के रुप में लोकप्रिय रहे चेतेश्वर पुजारा ने कई कठिन अवसरों पर टीम को उबारा है। एक भरोसेमंद बल्लेबाज होने के कारण उनकी तुलना पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ से होती रही है। अपने करियर में भारतीय टेस्ट टीम की दीवार बनकर डटे रहे पुजारा ने खुलासा है कि चार गेंदबाज ऐसे रहे हैं जिनका सामना करना उनके लिए काफी कठिन होता था। पुजारा को मुश्किलों में डालने वाले ये गेंदबाज हैं डेल स्टेन, मोर्ने मोर्केल, जेम्स एंडरसन और पैट कमिंस। अपने करियर में 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा ने ने कहा कि उन्हें जिन गेंदबाजों से डर लगता था उनमें दो दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज हैं पर केसिगो रबाना इसमें शामिल नहीं हैं। वहीं इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का एक-एक गेंदबाज शामिल है।

चेतेश्वर पुजारा ने कहा, अपने पूरे करियर मेंस्टेन, नें मोर्केल, एंडरसन और कमिंस मेरे सामने सबसे अधिक परेशानी खड़ी करते रहे हैं।। स्टेन और मोर्केल का सामना पुजारा ने ज्यादा नहीं किया पर कमिंस और एंडरसन के सामने उन्होंने खूब क्रिकेट खेली है। 8 बार कमिंस ने टेस्ट क्रिकेट में उनको आउट किया है। पुजारा ने अपने टेस्ट करियर में सात हजार से अधिक रन बनाये। वह भारतीय टीम के लिए इस प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले आठवें बल्लेबाज हैं। सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर, विराट कोहली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली ही उनसे ज्यादा टेस्ट रन बना पाये थे। पुजारा ने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए जून 2023 में खेला था। ये आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था। उस मैच के बाद उनको टीम से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन कुछ खास नहीं होने के कारण वह प्रभावित नहीं कर पाये।

नीरज चोपड़ा आज होने वाले डायमंड लीग फाइनल में जीत के इरादे से उतरेंगे

बर्न। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा गुरुवार को यहां स्विट्जरलैंड में होने वाले डायमंड लीग के फाइनल में जीत के इरादे से उतरेंगे। नीरज ने यहां पहले भी डायमंड लीग का खिताब जीता था। फाइनल के पहले दिन ज्यूरिख के सेचसेलौटेनप्लात्ज में शहर के प्रतिष्ठित ओपेरा हाउस के ठीक सामने एक स्ट्रीट इवेंट में पांच फील्ड स्पर्धाएं होंगी। नीरज ने इस सत्र में दो डायमंड लीग प्रतियोगिताओं में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। दोहा में 90.23 मीटर के साथ वह दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस चरण में 88.16 मीटर के साथ पहले नंबर पर रहे थे। फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के बाद वह तैयारी के लिए 2025 डायमंड लीग के सिलेसिया और ब्रुसेल्स चरण से बाहर रहे थे। ज्यूरिख में होने वाले फाइनल में सात खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमें छह खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 10 का हिस्सा हैं, ऐसे में नीरज को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स मौजूदा डायमंड लीग चैंपियन के रूप में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल उन्होंने नीरज को हराया था। वहीं जर्मनी के जूलियन वेबर ने साल की शुरुआत में ही दोहा में नीरज को पराजित किया था। इस लीग में लंदन 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट और पूर्व विश्व खिताब धारक जूलियस येगो भी शामिल होंगे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा रात 11:15 बजे शुरू होगी।

सेंटनर सहित चार खिलाड़ियों के बिना ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उतरेगी न्यूजीलैंड

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड की टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अक्टूबर की शुरुआत में होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। इस सीरीज में उसे कप्तान मिचेल सैंटनर सहित चार खिलाड़ियों के बिना ही उतरना पड़ेगा। ये सभी खिलाड़ी फिट नही है। सैंटनर को सर्जरी करानी है और ऐसे में सीरीज से पहले उनका फिट होना संभव नहीं है क्योंकि उन्हें सर्जरी के बाद उन्हें उससे उबरने के लिए भी समय चाहिये। सैंटनर कमर दर्द के कारण इस द हंड्रेड लीग से बीच में ही स्वदेश लौट आये हैं। उनके पेट की सर्जरी होनी है, जिसके ठीक होने में लगभग एक महीने का समय लगेगा हालांकि कोच का कहना है कि वह सैंटनर अगर सीरीज से पहले फिट हुए तो उन्हें अवसर दिया जाएगा। वहीं तेज गेंदबाज विल ओराउरके भी करीब 3 महीनों के लिए खेल से दूर रहेंगे, क्योंकि वह कमर के नीचे के हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर से परेशान हैं। इसकी सर्जरी हुई तो उन्हें उससे उबरने में भी समय लगेगा। ओराउरके को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान ये चोट लगी थी। इसके बाद वे घर लौट आए थे। अभी तीन माह तक वह स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग की प्रक्रिया से गुजरेंगे। इसके बाद ही पता चलेगा कि उनकी चोट कैसी है। वह सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, बल्कि अपनी ही धरती पर इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। उनके अलावा ग्लेन फिलिप्स और फिन एलेन भी इस टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे।

जिम्मेदारी मिलने पर होता है गर्व, प्रदर्शन भी होता है बेहतर: सिराज

मुंबई। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि जब भी उन्हें जिम्मेदारी मिलती है उन्हें गर्व का अनुभव होता है। सिराज के अनुसार इससे उनका आत्मविश्वास बढने से प्रदर्शन अपने आप ही बेहतर होने लगता है। मुख्य तेज गेंदब जसप्रीत बुमराह के इंग्लैंड दौर पर तीन टेस्ट मैच ही खेलने के कारण सिराज ने सभी मैच में खेलते हुए लगातार गेंदबाजी की। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में 23 विकेट लिए। इससे उन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने के बुमराह के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। इस दौरे में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सिराज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवार्ड भी मिला। मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह के नहीं होने पर जिस प्रकार सिराज ने जिम्मेदारी संभाली और अच्छी गेंदबाजी की उसने सभी को प्रभावित किया। इस गेंदबाज ने इंग्लैंड में अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मुझे जिम्मेदारी उठाने का मौका मिलता है, भले ही आप एक साधारण सीरीज देखें, मेरा प्रदर्शन हमेशा बढ़ता है क्योंकि जिम्मेदारी मुझे एक अलग तरह की खुशी देती

है और मेरा आत्मविश्वास बढ़ाती है. मैंने आपको एजबेस्टन में बताया था कि लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, और अब समय आ गया है कि उन सभी बातों को रोक दिया जाए। साथ ही कहा, मैं आमतौर पर बहुत सजग रहता हूं कि मैं क्या कर रहा हूं और लोगों की बेकार बातों पर ध्यान नहीं देता क्योंकि लोग मेरे संघर्ष को नहीं जानते। इसके बावजूद मैंने सोचा कि अब समय आ गया है कि ऐसी बातों को बंद कर दिया जाए क्योंकि यह बहुत ज्यादा हो रहा थ। बुमराह के पीठ की चोट और उनके कार्यभार प्रबंधन के कारण मैदान में नहीं होने पर मैंने गेंदबाजीमें सकारात्मकता बनाए रखने के प्रयास किये। इस दौरान मैंने साथी गेंदबाजों से बात की और उन्हें विश्वास दिलाया कि हम पहले की तरह इस बार भी सफल हो सकते हैं।

सचिन ने बताया 2011 विश्वकप में युवराज से पहले धोनी को बल्लेबाजी के लिए भेजने का कारण

मुंबई,एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में प्रशंसकों के सवालों के जवाब दिये। इस सत्र में प्रशंसकों ने भी कई सवाल किये जिनका सचिन ने उत्साह के साथ जवाब दिया। इसी दौरान एक प्रशंसक ने जब उनसे पूछा कि साल 2011 के विश्व कप फाइनल में उन्होंने युवराज सिंह से पहले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को उतारने का सुझाव क्यों दिया था? साल 2011 विश्वकप में धोनी ने पहले उतरने का फैसला सचिन की सलाह पर ही किया था। तब मुंबई के वानखेड़े मैदान में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 274 रन बनाए थे। इसके बाद जवाब में भारतीय टीम के 114 रनों पर ही 3 विकेट गिर गये थे। ऐसे में बल्लेबांजी क्रम के अनुसार युवराज को उतरना था पर उनकी जगह पर धोनी उतरे।

सचिन ने ही कोच गैरी कर्स्टन को ये सलाह दी थी। सहवाग ने बाद में कहा था कि फाइनल में युवराज से पहले धोनी को भेजने का सुझाव सचिन का था। सहवाग के उसी खुलासे के आधार पर सचिन से पूछा कि क्या ये बात सच है तब इस महान बल्लेबाज ने धोनी को युवराज से पहले उतारने के 2 कारण बताए। उन्होंने कहा, इसके दो कारण थे। लेफ्ट-राइट बल्लेबाजी संयोजन से दोनों ऑफ-स्पिनरों को परेशानी होती। इसके अलावा मुथैया मुरलीधरन सीएसके के लिए खेलते थे और धोनी को नेट्स में उनकी गेंदों को खेलने का तीन सत्र का अनुभव था। तब फाइनल में सहवाग का विकेट शुरुआत में ही गिर गया था।

उस समय भारत का एक रन ही था। उसके बाद 30 और रन बने तभी सचिन तेंदुलकर भी 18 रन बनाकर लसिथ मलिंगा की गेंद पर आउट हो गये। इन हालातों में गौतम गंभीर और विराट कोहली ने टीम को संभाला था। कोहली 35 रन बनाकर आउट हुए। तब भारतीय टीम ने 114 रन बनाये थे। गंभीर बाएं हाथ के बल्लेबाज थे, इसलिए सचिन ने बांए हाथ के बल्लेबाज युवराज सिंह से पहले दायें हाथ के बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को उतारने का सुझाव दिया। धोनी और गंभीर के बीच 119 रन की साझेदारी हुई। गंभीर 97 रन बनकार आउट हो गए। उनके आउट होने के बाद युवराज बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने और धोनी ने मिलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचा दिया था। धोनी ने इस मैच में 91 रन बनाये थे।

'हॉकी के गढ़ में खेलने का मौका मिलेगा', भारत आकर खुश हैं कजाकिस्तान के कप्तान

राजगीर। हॉकी एशिया कप 2025 में भाग लेने के लिए कजाकिस्तान की टीम मंगलवार रात बिहार पहुंच गई। बिहार पहुंचने के बाद कजाकिस्तान के कप्तान येरकेबुलन द्यूसेबेकोव ने खुशी जताते हुए कहा कि यह हॉकी के गढ़ में खेलने का सुनहरा अवसर है। येरकेबुलन द्यूसेबेकोव ने कहा, यह टीम पहली बार भारतीय धरती पर उतर रही है और महाद्वीपीय मंच पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, हम पहली बार भारत आकर बेहद उत्साहित हैं। यह देश हॉकी का गढ़ माना जाता है, और हमारे लिए ऐसे माहौल में खेलना एक बेहद खास मौका है। हम प्रशंसकों के पैशन का अनुभव करने और राजगीर के इस नए विकसित मैदान पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं।

येरकेबुलन ने कहा, हमारी टीम काफी युवा है, और पिछले कुछ महीनों से हमारी तैयारी इन खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर पर आत्मविश्वास और अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित रही है। टीम में ऊर्जा और उत्साह अद्भुत है, और हम हर मैच के साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं। कजाकिस्तान के कप्तान ने कहा, भारत, जापान और चीन के साथ एक ग्रुप में होना एक कठिन चुनौती होगी, लेकिन हम इसे एशिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को परखने का एक शानदार मौका मानते हैं। हमारा लक्ष्य कड़ी मेहनत करना, अनुशासन के साथ खेलना और इस बड़े मंच पर कजाकिस्तान को गौरवान्वित करना है। कजाकिस्तान को भारत, चीन और जापान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को जापान के खिलाफ करेगी। 31 अगस्त को चीन और 1 सितंबर को उसका आखिरी मुकाबला भारत के खिलाफ होगा। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर हॉकी स्टेडियम में एशिया कप हॉकी का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होगा। हॉकी इंडिया ने प्रशंसकों तक पहुंच बढ़ाने के दृष्टिकोण से निशुल्क प्रवेश की घोषणा की है।

गेमिंग एप पर प्रतिबंध से बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों को हुआ करोड़ों का नुकसान

मुंबई। ऑनलाइन गेमिंग एप पर केन्द्र सरकार के प्रतिबंध के फैसले से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सहित कई स्टार क्रिकेटरों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिबंध के फैसले से बीसीसीआई को करीब 245 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं गेमिंग एप का प्रचार कर रहे विराट कोहली से लेकर रोहित शर्मा और महेन्द्र सिंह धोनी को भी करोड़ों रुपयों का नुकसान हुआ है। भारत सरकार के पैसे से जुड़े सभी गेमिंग एप पर पाबंदी लगाने के बाद इन कंपनियों ने सारे विज्ञापन बंद कर दिये हैं और प्रायोजकों से भी करार समाप्त कर दिया है। इसके अलावा भी दर्जनों क्रिकेटरों को केंद्र सरकार के नए आदेश से झटका लगा है। बीसीसीआई को ड्रीम11 से प्रायोजक के तौर पर सालाना करीब 120 करोड़ रुपये मिलते थे। इसके अलावा आईपीएल का एसोसिएट प्रायोजक माय11सर्किल था, जिसके साथ करीब 125 करोड़ रुपये सत्र का अनुबंध था। इस तरह बोर्ड को करीब 250 करोड़ का नुकसान हुआ है। बीसीसीआई को हालांकि फिर भी दूसरे प्रयोजक मिल जाएंगे पर इतनी अधिक रकम मिलना संभव नहीं है। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक, विराट, रोहित और धोनी के अलावा अन्य खिलाड़ियों को भी प्रचार के लिए करोड़ों रुपये गेमिंग कंपनियों से मिले रहे थे जो अब नहीं मिलेंगे। विराट की करें तो उनका मोबाइल प्रीमियर लीग यानी एमपीएल के साथ 10 से 12 करोड़ रुपये का करार था जबकि रोहित शर्मा का 6 से 7 करोड़ का करार डील ड्रीम11 के साथ था। इसी प्रकार धोनी को भी 6 से 7 करोड़ विंजो से मिलते थे। रोहित के अलावा जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, ऋषभ पंत और पांड्या बंधुओं के भी ड्रीम11 के साथ करोड़ों रुपयों के कारण पर जुड़े थे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़ आदि भी एक गेमिंग कंपनी माय 11 सर्कल से अनुबंधित थे।

एक नजर

शादी का झांसा देकर सात साल तक युवती के साथ किया दुष्कर्म, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

उरई। कालपी कोतवाली क्षेत्र में एक युवक को शादी का झांसा देकर दलित युवती के साथ सम्बन्ध बनाना भारी पड़ गया। पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद कोतवाली पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट और एससी-एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बता दें कि, युवती ने आरोप लगाते हुए बताया कि नगर निवासी दिनेश श्रीवास्तव नामक युवक लगभग सात वर्षों से उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाता रहा। युवती के मुताबिक, जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपित ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। उसने बताया कि आरोपित की बहन और भांजी ने पहले शादी के लिए तीन लाख रुपये की मांग रखी थी, लेकिन बाद में उन्होंने यह रकम बढ़ाकर पांच लाख रुपये (अतिरिक्त दो लाख) कर दी। जब उसने इतनी बड़ी रकम देने से मना कर दिया तो आरोपित पक्ष ने न केवल शादी से इनकार किया, बल्कि आरोपी युवक ने उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया और जातिगत रूप से अपमान करते हुए कहा कि वह एक दलित लड़की से शादी नहीं करेगा।

बुधवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार से सम्पर्क किया। पुलिस अधीक्षक ने इस मामले को संवेदनशील मानते हुए तुरंत कोतवाली पुलिस को मामला दर्ज कर गहन जांच शुरू करने के सख्त निर्देश दिए। इस संवेदनशील मामले की जांच की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी और तथ्यों की गहराई से जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है आरोपित के खिलाफ शीघ्र ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जायेगी।

दुर्गापूजा पर बिजली आपूर्ति को लेकर मंत्री अरूप विश्वास ने दिए कड़े निर्देश

कोलकाता। दुर्गापूजा के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। बुधवार को बिजली मंत्री अरूप विश्वास ने एक उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में पश्चिम बंगाल बिजली वितरण विभाग और सीईएससी सहित कई विभागों और एजेंसियों के अधिकारी मौजूद थे।

मंत्री ने बताया कि इस वर्ष पूजा पंडालों में बिजली की मांग लगभग 12 हजार मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। पिछले वर्ष पंचमी और षष्ठी के दौरान यह मांग 9,912.71 मेगावाट तक गई थी। सरकार ने आश्वस्त किया है कि राज्य और सीईएससी दोनों ही अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अरूप विश्वास ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि 2011 में जहां डब्ल्यूबीएसईडीसीएल के अंतर्गत 20,970 पूजा होती थीं और केवल 210 मेगावाट बिजली की आवश्यकता पड़ती थी, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 50,550 हो गई है और यह मांग 1,348 मेगावाट तक पहुंच गई है। यानी मांग में 542 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार राज्यभर में कुल 3,450 मोबाइल वैन तैनात रहेंगी ताकि कहीं भी बिजली की समस्या होने पर तुरंत समाधान किया जा सके। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 19121 जारी किया गया है। साथ ही नागरिक व्हाट्सऐप नंबर 8900793504 और सीईएससी क्षेत्र के उपभोक्ता 9831079666 पर भी संपर्क कर सकेंगे। मंत्री ने कहा कि दुर्गापूजा के दौरान विभाग के 1,616 वरिष्ठ अधिकारी 24 घंटे ड्यूटी पर रहेंगे और कुल 73,714 कर्मचारी सेवा में तैनात होंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही घोषणा कर चुकी हैं कि पूजा समितियों को बिजली बिल पर 80 प्रतिशत छूट मिलेगी। मंत्री ने पूजा समितियों से आग्रह किया कि वे जितनी बिजली की आवश्यकता हो, उतने के लिए आवेदन करें। उन्होंने चेतावनी दी कि कम बिजली का आवेदन करने से बाद में अनियंत्रित भार पड़ता है और इससे दुर्घटनाएं होती हैं। साथ ही, उन्होंने पंडालों में दहनशील पदार्थ और कटी हुई तारों को लेकर भी विशेष सावधानी बरतने की अपील की।

हर काल और हर युग में रही है उज्जैन की गौरव गाथा: डॉ. यादव

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश की सात पवित्र नगरियों में अवंतिका (उज्जैन) भी शामिल है। यहां राजा विक्रमादित्य, महाकवि कालिदास, सम्राट अशोक, चंद्र प्रद्योत के नाम अजर-अमर हो चुके हैं। हमारे पास राष्ट्र वीर दुर्गादास राठौर की ऐतिहासिक विरासत भी है। आज उनकी छत्री के जीर्णोद्धार के लिए भूमिपूजन किया गया है। हर काल और युग में उज्जैन की गौरवशाली गाथा रही है। हम एक नये दौर में प्रवेश कर रहे है। उज्जैन गोपाल मंदिर क्षेत्र स्थित रीगल टॉकीज का इतिहास बहुत गौरवशाली रहा है। यहां भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी निकलती है, सिंहस्थ के दौरान यहां से पेशवाई निकलती है और यह स्थान हरि और हर के मिलन का साक्षी भी होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन में गोपाल मंदिर छत्री चौक स्थित कार्यक्रम में भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 79.27 करोड़ रुपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 25.15 करोड़ रुपये की लागत से रीगल टॉकीज के विकास कार्य, आगामी सिंहस्थ महापर्व के अंतर्गत 22.30 करोड़ रुपये की लागत से गदा पुलिया से रविशंकर नगर, जयसिंह पुरा होते हुए लालपुल ब्रिज तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य और 31.83 करोड़ रुपये की लागत से गाड़ी अड्डा चौराहे से वी.डी क्लाथ मार्केट, निकास चौराहा, खजूर वाली मस्जिद, के.डी. गेट मार्ग वाया जूना सोमवारिया से बड़ी पुलिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। कार्यक्रम में रीगल टॉकीज के उन्नयन पर आधारित लघु फिल्प का प्रसारण भी किया गया। रीगल टॉकीज का निर्माण कार्य 36 हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन शहर का हर काल में विशेष महत्व रहा है। आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए विकास के कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। आज उज्जैन को कुल 107 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिली है। आगामी सिंहस्थ महापर्व में स्नान क्षिप्रा नदी के जल से ही होगा। सेवरखेडी- सिलारखेड़ी परियोजना से क्षिप्रा नदी में पूरे वर्ष जल रहेगा, क्षिप्रा सदैव प्रवहमान रहेगी। सिंहस्थ में सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही उज्जैन को नई 4 लेन सड़क की सौगात मिलने वाली है। साथ ही लगभग 10 हजार करोड़ की लागत से नई मेट्रो लाइन उज्जैन से इंदौर और पीथमपुर को कनेक्ट करेगी।

उन्होंने कहा कि विक्रम उद्योगपुरी में इंडस्ट्रियल सैट अप किया गया है और यहां से हम विश्व स्तरीय उत्पाद बनाकर विश्व के कई देशों को सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लखपति दीदी योजना ने बहनों का सशक्तिकरण किया है। प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरणा लेकर बहनों के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार ने लाड़ली बहना योजना शुरू की है, जिसमें बहनों को अभी 1250 रुपये की राशि दी जा रही है। जल्दी ही बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपये की राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने माताओं-बहनों को स्थानीय निकाय चुनावों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। अब ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते हैं। सरकार हर वर्ग के विकास के लिए कार्य कर रही है। अब प्रदेश में सरकारी और निजी मिलाकर कुल 32 मैडिकल कॉलेज हो जाएंगे। वर्ष 2002-03 के बाद मध्य प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले डेढ़ साल में 7.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ा है। कार्यक्रम में विधायक अनिल जैन कालूहेडा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, संजय अग्रवाल, कैलाश प्रजापत, गणमान्य नागरिक मौजूद थे। आभार प्रर्दशन एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी ने किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को उज्जैन में एक अन्य कार्यक्रम में 52 करोड़ 69 लाख रुपये से अधिक की लागत से राष्ट्र वीर दुर्गादास छत्री के संरक्षण संवर्धन एवं विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय तथा मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, रवि सोलंकी, संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री शेखावत तथा अन्य अतिथियों द्वारा राष्ट्र वीर दुर्गादास छत्री पर पहुंचकर माल्यार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को राष्ट्र वीर दुर्गादास के पराक्रम एवं शौर्य एवं देश के गौरवशाली इतिहास से परिचित करवाने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इनमें राष्ट्र वीर दुर्गादास की प्रतिमा स्थापना के साथ ही पैदल पुल, बगीचा, एक्टिविटीज जोन, रिटेनिंग वॉल, पार्किंग, हॉर्स ट्रैकिंग जोन, ओपन एयर थिएटर, संग्रहालय निर्माण आदि कार्य सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों की मांग के अनुरूप समय पर सेब कार्टन उपलब्ध कराए जाएं: मंत्री गणेश जोशी

देहरादून, 27 अगस्त (हि.स.)। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर सेब के कार्टन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र और आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी फल भंडारण केंद्र शीघ्र बनाने, आराकोट में कोल्ड स्टोरेज और नौगांव में मंडी निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने को कहा है।

कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को कृषि एवं उद्यान विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में कृषि मंत्री ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के 95 ब्लॉकों में अधिक से अधिक किसानों, स्वयं सहायता समूहों, पूर्व सैनिकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने वाइब्रेंट योजना के तहत सीमांत गांवों में अखरोट उत्पादन की संभावनाओं को तलाशने और इसमें पूर्व सैनिकों को जोड़ने पर जोर दिया। साथ ही, प्रदेश के राजकीय गार्डनों में अखरोट की नर्सरी विकसित करने के भी निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने फार्म मशीनरी बैंक की अधिकतम स्थापना करने को कहा, ताकि किसानों को खेती के उपकरण सस्ती दरों पर उपलब्ध हो सकें। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सेब की अति सघन बागवानी को बढ़ावा देने और दुर्गम क्षेत्रों में कृषकों के उत्पादों को सड़क मार्ग तक पहुंचाने के लिए रोपवे निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने पॉलीहाउस निर्माण की धीमी प्रगति पर भी नाराजगी जताई और अधिकारियों को तेजी से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद स्तरीय अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक में आगामी माह में प्रस्तावित विभागीय कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

माता सुंदरी कॉलेज की छात्रा मनिका विश्वकर्म के सिर सजा मिस इंडिया यूनिवर्स 2025 का ताज

नई दिल्ली,सद्भावना टुडे। दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी कॉलेज फॉरवुमेन की छात्रा सुश्री मनिका विश्वकर्मा ने मिस इंडिया यूनिवर्स 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। समस्त कॉलेज मनिका की अद्वितीय उपलब्धि पर गौरवान्वित है। मनिका को हाल ही में जयपुर में आयोजित मिस इंडिया यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में विजेता का ताज पहनाया गया। उनकी यह सफलता संस्थान के लिए बेहद हर्ष का विषय है और देशभर की युवा महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मनिका माता सुंदरी कॉलेज में अपने अध्ययन के दौरान ही विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, मंचीय प्रस्तुतियों और पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेती रही हैं। अपने आत्मविश्वास और नेतृत्व करने की क्षमता के बल पर वे विश्वविद्यालय और अंतर-महाविद्यालय स्तर पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व कर चुकीं है। शैक्षणिक और सांस्कृतिक दोनों क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी उनके बहुमुखी व्यक्तित्व को दर्शाती है और उनकी उपलब्धि को और भी खास बनती है।

कॉलेज की प्राचार्या प्रो. हरप्रीत कौर ने अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि 'मनिका ने हमेशा अपने कॉलेज समय से ही गरिमा, बुद्धिमत्ता और दृढ़संकल्प का परिचय दिया है। उसने प्रत्येक कार्यक्रम में पूरे मन से भाग लिया और सदैव गरिमा तथा सकारात्मकता के साथ स्वयं को प्रस्तुत किया। एक प्रतिभाशाली छात्रा से राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि हासिल करने वाली शख्सियत तक उसकी इस यात्रा का साक्षी बनना हमारे लिए गर्व की बात है। छात्र सलाहकार, डॉ. मंजोत कौर ने कहा कि मनिका की यह यात्रा उनकी ईमानदारी और एकाग्रता को दर्शाती है। उन्होंने सदैव अपने शैक्षणिक उत्तरदायित्वों और सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखा। उनका सम्मानपूर्ण व्यावहार और दृढ़संकल्प इस सफलता को वास्तव में सार्थक बनाते हैं। सांस्कृतिक सलाहकार, डॉ. सिरताज कौर ने मनिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि मनिका अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के लिए जानी जाती थीं।

उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सदैव उत्साह से भाग लिया और अपने साथियों को भी इसके लिए प्रेरित किया। आज ये सभी गुण पूरे विश्व के सामने हैं और हमें गर्व है कि उन्होंने इतनी ऊँचाइयाँ हासिल कीं। शिक्षकों नेमनिका की सफलता को सराहते हुए कहा कि 'एक अध्यापक के रूप में हम मनिका को एक जिज्ञासु और अनुशासित छात्रा के रूप में याद करते हैं। उन्होंने गंभीरता से अपनी पढ़ाई की और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शनकिया। उनकी यह उपलब्धि न केवल कॉलेज बल्कि उन सभी के लिए गर्व का क्षण है जो उनकी यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मनिका ने संस्थान को दिए अपने संदेश में माता सुंदरी कॉलेज में अपनी शैक्षणिक और सांस्कृतिक यात्रा के दौरान मिले सहयोग की सराहना की। उन्होने कहा कि कॉलेज में मिले प्रोत्साहन और सीखने के माहौल ने उनके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मनिका की इस सफलता ने एक बार फिर माता सुंदरी कॉलेज को राष्ट्रीय पटल स्थापित कर दिया है और इससे युवा महिलाओं को विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने एवं उन्हें सशक्त बनाने की कॉलेज विरासत और भी मजबूत हुई है। समस्त कॉलेज परिवार मनिका को शुभकामनाएँ देता है कि वह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी भारत का नाम रोशन करें।

गूगल मैप पर रास्ता देखना पड़ा भारी, तीन साल से बंद पड़ी पुलिया पर वैन बही, तीन के शव मिले, एक बालिका की तलाश जारी

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात को एक बड़ा हादसा हुआ है। पुलिया पार करने के दौरान वैन नदी में बढ़ गई। इसमें वैन में सवार चार लोग तो बह गए जबकि पांच लोगों को पुलिस एवं ग्रामीणों की सहायता से बचा लिया। दो महिला एवं एक बालिका के शव को निकाल लिया। वहीं एक बालिका के शव की तलाश गुरुवार को होगी ।वैन में सवार लोगों को गूगल मैप से रास्ता देखना भारी पड़ गया। गूगल मैप इन्हें तीन साल से बंद पड़ी पुलिया पर ले गया, जिससे वैन गड्ढे में उतर गई तथा बाद में बनास नदी में बह गई।

पुलिस के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिले के भूपालसागर थाना क्षेत्र के कानाखेड़ा में रहने वाले एक परिवार के 9 सदस्य मंगलवार को भीलवाड़ा जिले में सवाईभोज दर्शन के लिए गया था। वापसी में यह लोग भीलवाड़ा में रुके तथा पुन: अपने घर लौट रहे थे। इसके लिए इन्होंने गूगल मैप की सहायता ली थी। इस दौरान बनास नदी पर सोमी-उपरेडा पुलिया पर यह गूगल मैप की सहायता से पहुंच गए। यह पुलिया काफी समय से बंद पड़ी थी और ऊपर से पानी भी बह रहा था। चालक ने वैन को पुलिया पर उतार दी। इसमें एक गढ़ा था जिसमें वैन फस गई तथा बाद में तेज बहाव में बह गई। किसी तरह वैन में सवार लोगों ने सहायता मांगी। वहीं मामले की जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस को भी सूचना दी गई। इस पर पुलिस एवं प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से नाव मंगवा तथा पांच लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं चार लोग पानी में बह गए, जिसमें दो बालिकाएं भी थी। ऐसे में बहे महिला एवं बालिकाओं की तलाश के लिए सिविल डिफेंस की टीम को मौके पर बुलाया गया। बाद में एसडीआरएफ भी पहुंची। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू अभियान रात में शुरू नहीं किया गया। मौके पर राशमी एसडीएम के अलावा गंगरार डिप्टी प्रभु लाल, राशमी थानाधिकारी देवेंद्र देवल मय जाप्ता के मौके पर पहुंचे थे। गुरुवार सुबह होने के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू हो गया। इस हादसे में वैन में सवार सभी नौ लोग आपस में रिश्तेदार होकर गाडरी समाज के हैं। इनमें से मदनलाल (25) पुत्र देवीलाल, हितेश (16) पुत्र सोहन, लीला (18) पत्नी देवीलाल, काव्यांश (9 माह) पुत्र मदन तथा आयांश (9 माह) पुत्र देवीलाल को ग्रामीणों व पुलिस ने बचा लिया। वहीं हादसे में चंदा (21) पत्नी हेमराज, ममता (25) पत्नी मदन, खुशी (4) पुत्री मदन तथा रूत्वी (6) पुत्री हेमराज बह गए। इनमें से तीन के शव मिल गए, जबकि रूत्वी का शव नहीं मिला। ऐसे में अब गुरुवार को शव की तलाश होगी। जानकारी में सामने आया कि मातृकुंडिया बांध में पानी की आवक हुई थी। ऐसे में प्रशासन ने अलर्ट किया था। मंगलवार रात 10 बजे सायरन बजा कर बांध के गेट खोले गए थे। वहीं प्रशासन ने बनास नदी पुलिया पर आने वाले रास्तों पर जो नीचे है, वहां पत्थर अथवा जेसीबी लगा कर बंद किए थे। यह परिवार कहीं बाहर रहता है तथा अभी गांव आया हुआ था। इन्हें जानकारी नहीं थी कि तीन साल से सोमी-उपरेडा पुलिया बंद हैं। ये पहले वैन को सांखली मार्ग पर ले गए तो पुलिया के आगे जेसीबी खड़ी थी। इस पर ये गूगल मैप की सहायता से सोमी-उपरेडा मार्ग स्थित पुलिया पर आ गए।

मुख्यमंत्री का निर्देश, प्रभारी मंत्री तत्काल संभालें अपने-अपने जिलों में बाढ़ राहत-बचाव की कमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार मूसलाधार बारिश के कारण प्रदेश के 17 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को बाढ़ प्रभावित जिलों के प्रभारी मंत्रियों को अपने-अपने जिलों में तत्काल राहत और बचाव कार्य की कमान संभालने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से भी बढ़-चढ़कर इस कार्य में भाग लेने और प्रभावित लोगों की हर जरूरत का ध्यान रखने को कहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिये कि कोई भी व्यक्ति बाढ़ की समस्या से परेशान न हो। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए और मवेशियों के लिए भी पर्याप्त इंतजाम किये जाएं। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी के अनुसार प्रदेश की 37 तहसीलें और 688 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। उनमें 2,45,980 लोग और 30,030 मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ से कुल 27061 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

राहत कार्य में 548 नाव और मोटरबोट्स की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। बुधवार को 1,904 खाद्यान्न पैकेट और 11,350 लंच पैकेट वितरित किये गए। कुल 284 बाढ़ शरणालय सक्रिय हैं, जहां 4,440 लोग अस्थायी रूप से निवास कर रहे हैं। 626 मेडिकल टीमों द्वारा उनका मेडिकल चेकअप किया जा रहा है। सरकार ने जलजनित बीमारियों को रोकने के लिए 12,298 क्लोरीन टेबलेट और 4,422 ओआरएस पैकेट वितरित किए हैं। प्रभावित इलाकों में 996 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गई है, जो लगातार स्थिति पर निगरानी रख रही हैं। बलिया, बहराइच, बदायूं, चंदौली, कानपुर नगर, हरदोई, फर्रुखाबाद, गोंडा, कासगंज, लखीमपुर खीरी, मेरठ, मीरजापुर, मुजफ्फनगर, शाहजहांपुर, उन्नाव, प्रयागराज और वाराणसी।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)